



## REPUBLIC DAY CELEBRATIONS WITH THE VIBRANT HUES OF PATRIOTISM!





**vittaazio** *Elegance Redefined*  
KITCHEN - WARDROBE - VANITY

Exclusively Available at



76, TULIP CHALETS, OPP. SURAMYA-2, RANCHARDA-KALOL ROAD,  
Ph.: +91 94099 97599 | info@vittaazio.com | www.vittaazio.com

## INDEX

President's Message	03
Hon' Secretary's Message	05
Message of Editor	06
Convenors' Reports	06
Joint Secretary's Interview	10
Treasurer's Interview	12
Inspiring Articles	14
Executive Meeting	16
New Building - New Vision	19
Republic Day Celebrations	24
Presidential Pen	28
Have You Read This Book?	30
From the Principals' Desk	32
Principals' Interviews	33
Inspiring Articles	36
Students' Activities	41

## INSTITUTIONS OPERATING UNDER RAJASTHAN SEWA SAMITI

- Rajasthan Hindi High School
- Rajasthan Eng. Higher Secondary School (Self Financed)
- Gyanodaya Hindi Prathmik Shala
- Gyanodaya English Medium Primary School
- Gyanodaya Shishu Mandir
- Rajasthan Institute of Professional Studies

Rajasthan Sewa Samiti is the organization recognized & registered under Ahmedabad Bombay Public Trust Act & Societies' Registration Act. The donation given to the Samiti is exempted from tax under Income Tax Act, 1961, Section 80G.

This Bulletin is Designed by Rioconn Interactive Pvt. Ltd.  
Advertised & Printed by Khushi Advertising  
Published by Rajasthan Sewa Samiti  
**Subhash M. Dasani - Editor & Convenor, Bulletin Committee**  
**Rajesh Balar - Co.Convenor, Bulletin Committee**  
**Ramchandra Bagrecha - Member, Bulletin Committee**

**RAJASTHAN SEWA SAMITI:**  
Rajasthan Bhawan, Shahibaug Road, Ahmedabad -380004.  
Tel: +91 79 2562 4675 / 6412  
Email: rajasthansewasamiti1961@gmail.com  
Web: www.rajasthansewasamiti.com

## PRESIDENT'S MESSAGE

**GANPATRAJ CHOWDHARY**  
President



स्नेही स्वजन,

राजस्थान सेवा समिति के हमारे यह मुखपत्र "सेवा ज्योत" के माध्यम से एक बार फिर आप सब से बात करने का मौका मिला है। पिछले कुछ महीनों के दौरान समिति के कार्यकारिणी के सदस्य एवं हम सब पदाधिकारी बार बार मिलते रहे हैं। यह अविरत संपर्क से जो एक बात उभरकर आयी है वह हमारे सब पदाधिकारी, सब पूज्यनीय ट्रस्टीज एवं कार्यकारिणी के सभी सदस्य का राजस्थान सेवा समिति के प्रति बेहद लगाव है। हम बार बार मिलते रहे हैं और हमारे यह सब सदस्य अपने निजी व्यवसाय में काफी व्यस्त होने पर भी हमेशा हमारी सब मीटिंग्स में उपस्थित रहे हैं जिस के लिये मैं उन सब का धन्यवाद करना चाहता हूँ।

खास सराहनीय रहा है हमारे पांच ट्रस्टियों का मार्गदर्शन। उनके पास काफी सालों का अनुभव भी है और साथ साथ आने वाले भविष्य का विज़न भी है। हम सब ने मिलकर राजस्थान सेवा समिति के लिये जो नये भवन के निर्माण का स्वप्न देखा है उसमे हमारे ट्रस्टियों का प्रोत्साहन ही हमारी शक्ति बना हुआ है।

"सेवा ज्योत" में मेरी यह प्रस्तावना के माध्यम से जो एक बात खास बताना चाहता हूँ वह है जिस तरह हमारी राजस्थान सेवा समिति से जुड़े हमारे दानवीर सदस्यों ने हमारे नये भवन के लिये अपना योगदान देने हेतु अपना साथ और सहकार दिया है। हमारी कार्यकारिणी सभा के वह क्षण मैं कभी नहीं भूल सकूंगा जब मैंने अभी तो सिर्फ घोषित ही किया था कि हमें हमारे नये भवन के महत्वकांक्षी कार्य के लिये काफी बड़े आर्थिक योगदान की जरूरत पड़ेगी और कुछ ही क्षणोंमें हमारे कई सारे साथियों ने काफी बड़ी धनराशि का अपना योगदान देने के लिये अपनी सम्मति दे दी। उसके बाद कुछ और दिनों में बाकी सारे हमारे सदस्य दोस्त आगे आये और अपना कमिटमेंट दिया।

इस काफी अनुकरणीय सहकार के लिये, हमारे यह सब दोस्तों के लिये मैं सिर्फ दो ही बातें कह सकता हूँ। एक है राजस्थान सेवा समिति की अपनी एक गरिमापूर्ण छवि जिससे आकर्षित होकर हम सब की यह संस्था को सहकार देने हेतु बेझिजक हमारे यह सब दोस्त आगे आते हैं और दूसरी बात हमारे यह सब दानवीर दोस्तों और उन के परिवार का समाजसेवा, मानवसेवा, विद्यादान के प्रति उदार रवैया। आप सब ऐसे सौभाग्यशाली परिवार हैं जिनके पास धनसम्पत्ति भी है और यह धनसम्पत्ति समाजोपयोगी कार्यों में उपयोग करने की भावना और क्षमता भी है। हमारा सौभाग्य यह है कि ऐसे उदार मित्र हमारी सेवा समिति के सदस्य हैं।

इसी सन्दर्भ में मुझे उस बात से और भी आनंद हुआ जब राजस्थान सेवा समिति के हमारे गणतंत्र दिवस के अवसर पर उपस्थित हमारे दो अतिथि विशेष श्री चिमनलालजी अग्रवाल एवं श्री राजेन्द्रभाई शाह ने जब हमारे सब दानवीरों की सूची पढ़ी तो उन्होंने शीघ्र ही अपने परिवार की ओर से हमारे नये भवन के लिये रु. 51 लाख की धनराशि का योगदान देने की घोषणा करने के लिये मुझे बोला। यह विश्वास ही राजस्थान सेवा समिति की ताकत है और इसे बरकरार रखना हम सब की जिम्मेवारी है।

दोस्तों जैसे मैंने आगे बताया इन दिनों हमारे सब सदस्य में मुझे एक खास जूनून, एनर्जी दिखाई दी है क्यों की हम सब का एक ही स्वप्न बन चूका है और वह है समिति के नये भवन का निर्माण। गणतंत्र दिवस के अवसर पर जब काफी संख्या में उपस्थित हमारे सब मेहमानों ने यह नये भवन की एक परिकल्पना का वीडियो देखा तब वह वीडियो से सारे मेहमान तो प्रभावित हुए ही लेकिन उससे भी ज्यादा प्रभावित हुए उस समय उपस्थित सब विद्यार्थी क्यों की समिति ने यह स्वप्न हमारे वर्तमान और भविष्य के विद्यार्थियों के लिये ही देखा है।

उस वक्त हमारे अतिथि विशेष, SAL ग्रुप के चेयरमैन श्री राजेन्द्रभाई शाह ने एक अच्छी बात बतायी। उन्होंने कहा की "विद्या के प्रति किया गया दान" सर्वश्रेष्ठ इसलिए है कि ऐसे दान से आनेवाली कई पीढ़ियों के बच्चों को लाभ मिलता है और हमारी विद्यालय में पढ़े हुए बच्चे आगे जाके पुरे समाज को कई रूप से अपना योगदान दे सकते हैं। जिस तरह राजस्थान सेवा समिति के हमारे विद्यालयों में पढ़े बच्चे आज समाज और सरकार में अनगिनत स्थानों को शोभायमान कर रहे हैं वही इस बात का प्रमाण है।

मैंने जैसे कई बार बताया है राजस्थान सेवा समिति की स्थापना करने वाले और हमारी यह संस्था को वर्तमान तक लाने वाले जो दिग्गज हैं वह सब सचमुच अपने आपमें एक संस्था से कम नहीं थे। अहमदाबाद शहर के शाहीबाग जैसे विस्तार में सबसे अच्छे स्थान पर समिति के लिये जगह लेना वह सच में एक दीर्घ द्रष्टी का काम था। उसके बाद विद्यालयों की स्थापना और उसमें भी राजस्थान हिंदी हाई स्कूल तो जैसे एक मॉडेल हिंदी माध्यम शाला बनके उभर आयी। बाद में किया गया एक वर्ल्ड क्लास हॉस्पिटल, राजस्थान हॉस्पिटल की स्थापना का कार्य। और इन सब के साथ समिति की चल और अचल संपत्ति का श्रेष्ठ संचालन। अब हम सब, साथ साथ, पूर्व की यही मजबूत नींव पर, एक महत्वकांक्षी भविष्य बनाने के लिये कृतनिश्चय हैं। और मुझे मालूम है कि जब शुभ आशय से कोई कार्य की शुरुआत करते हैं तो उसके परिणाम हमेशा अच्छे ही होते हैं।

हमारे नए भवन निर्माण के मिशन में हमारे कई ओर मित्र भी जुड़ना चाहते हैं जिनके लिये हमने तीन दान श्रेणी की घोषणा प्रजासत्ताक दिवस के अवसर पर की थी। इसकी विगत प्रस्तुत है।

प्लेटिनम डोनर:	-	रु. 31 लाख
गोल्ड डोनर:	-	रु. 21 लाख
सिल्वर डोनर:	-	रु. 11 लाख

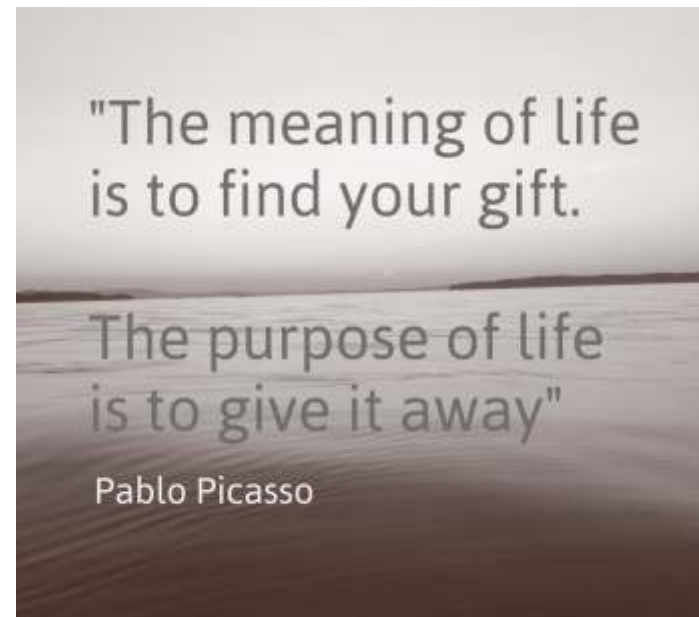
हम हमारे इन प्लेटिनम, गोल्ड एवं सिल्वर डोनर के नाम समिति के नये भवन में एक खास बोर्ड बनाकर रखने वाले हैं जिससे कई लोगों को प्रेरणा मिलेगी।

हमारे नये भवन के लिये जिस तरह हमारे कई साथी मित्रों ने अपना योगदान धनराशि से दिया है इसी तरह ऐसे भी अनगिनत हमारे साथी हैं जो अपनी अपनी खास विशेषताओं से हमें अपना योगदान देते रहे हैं उनके प्रति भी हम सब कृतज्ञ हैं।

Rajasthan Sewa Samiti is entering into a New Orbit & I know that it will bring us "Face to Face" with an Exciting Future.

मुझे इस बात का भी गर्व है की राजस्थान सेवा समिति में हमारे साथ अब नये 259 सदस्य जुड़े हैं। उनके जुड़ने से समिति की ताकत बढ़ी है। उनसे मेरा निवेदन है कि समिति के कार्य में आप आपका सक्रिय योगदान दें। हमारे नये सदस्य का मैं स्वागत करता हूँ।

गणपतराज चौधरी  
अध्यक्ष



SHYAMSUNDER TIBREWAL  
Hon. Secretary

आत्मीय स्वजनों,

हमारे राजस्थान सेवा समिति के प्रांगण में संपन्न हुआ 69th गणतंत्र दिवस समारोह सच में एक यादगार अवसर बना रहेगा। उस महान दिवस की जो बात हमें सब से ज्यादा छू गई वह थी हमारे दोनों अतिथि विशेष श्री राजेन्द्रभाई शाह एवं श्री चिमनलालजी अग्रवाल की राजस्थान सेवा समिति के प्रति व्यक्त हुई उनकी श्रद्धा। दोनों महानुभाव ने जिस तरह सहर्ष हमारे नये भवन के लिये योगदान देने की स्वीकृति दिखाई वही बात राजस्थान सेवा समिति की उपलब्धि है। यह उपलब्धि समिति के हमारे पूर्वज, हमारे ट्रस्टीज, हमारे पूर्व एवं वर्तमान अध्यक्ष, पूर्व एवं वर्तमान कार्यकारिणी के सदस्य इत्यादि की दूरदर्शिता का परिणाम है।

समिति के लिये यह बात हमेशा महत्वपूर्ण रही है कि हमारी इस संस्था के माध्यम से आनेवाले अनगिनत वर्षों में समाज को हम अच्छे से अच्छे डॉक्टर, इंजीनियर, अर्थशास्त्री, वैज्ञानिक, प्राध्यापक, वहीवटीय अधिकारी, आर्मी अधिकारी इत्यादि देते रहे हैं। यह हमारी समाज और राष्ट्र के प्रति सेवा भावना है। हमारे लिए बेहद गर्व की बात है कि हमारे पूर्वजों के दूरगामी अभिगम के कारण ही आज पूरे गुजरात राज्य में शिक्षा के क्षेत्र में एवं चिकित्सा के क्षेत्र में समिति ने पुरे समाज में अपनी उत्कृष्ट छवि बनायी है।

राजस्थान सेवा समिति अब जब अपने नए भवन के स्वप्न को सिद्ध करने के लिए आगे बढ़ रही है तब मैं सब से ज्यादा धन्यवाद हमारे वर्तमान अध्यक्ष श्री

गणपतराजजी का करना चाहता हूँ जिन्होंने अपने परिवार की ओर से बहोत बड़ी राशि का दान संस्था को देने की घोषणा की और उसके अलावा उन्होंने अपने साथ कई सारे अन्य दान-दाताओं को भी इस शुभ यज्ञ में आहुति देने के लिये प्रेरित किया, तथा आप अपने काफी व्यस्त कार्यक्रमों में से समय निकालकर समिति के कार्य को प्राथमिकता दे रहे हैं। हमारे इन सब दाताओं की दृष्टि में विद्यादान से श्रेष्ठदान हो ही नहीं सकता और इसी कारण राजस्थान सेवा समिति के "सेवा भावना से श्रेष्ठ विद्यादान" देने के अभिगम की श्रृंखला में इन सबको सहभागी बनाया। उनका आभार मानने के लिये हमारे पास शब्द नहीं है।

अपने देश में स्कूल डेवलपमेंट की जरूरत को देखते हुए हमारी समिति हमारे विद्यादान के अभिगम से हमेशा अपना सहयोग देती रही है और नये भवन के निर्माण से इस कार्य को ओर गति प्राप्त होगी उसमें कोई शक नहीं। हमारी संस्था ने अतीत में बहुत से ऐसे विद्यार्थी तैयार किये हैं जिन्होंने सामान्य परिवार से आते हुए भी अपनी शिक्षा के बल पर अपने अपने व्यवसाय में उच्चतम स्थान प्राप्त कर के परिवार, समाज और देश के प्रति अपना अद्वितीय योगदान दिया है। ऐसे ही कार्यों के लिए समिति भविष्य के लिए भी कटिबद्ध है।

जैसे एक दार्शनिक ने कहा है, "जब भी कई सारे समर्पित लोग एक साथ, एक ही दिशा में, एक ही कार्य के लिये जुड़ जाते हैं तब मिलने वाले परिणाम सच में अतुल्य होते हैं। दार्शनिक की इस बात की जिन्दा मिशाल है "राजस्थान सेवा समिति" और संस्थाके बेनमून कार्य।

अंतमें,

यज्ञ बेदी पर सुनहरी अग्नि का संधान हो  
जब जब चुनौती हो जटिल, तब जीत का सम्मान हो  
एक मुश्किल पे ना हारे, सपने जो थे साथ में  
साँस में गरमी है जब तक, निश्चयों में प्राण हो।

यही शुभ चिंतन के साथ आप सब को मेरी हार्दिक शुभकामनाएं।





**SUBHASH DASANI**  
Convenor, Bulletin Committee

आप सबको मेरा नमस्कार।

राजस्थान सेवा समिति के हमारे मुखपत्र "सेवा ज्योत" के वर्तमान वर्ष के दो अंक प्रकाशित हो चुके हैं और मुझे आनंद है कि हमारे सदस्यों द्वारा हमें काफी सराहना मिली है। अब आप के समक्ष यह तीसरा अंक प्रस्तुत है। हमारी कोशिश रही है कि जब सदस्यों की ओर से हमें कोई भी सुझाव मिले तब रचनात्मक सुझावों को "सेवा ज्योत" में सम्मिलित किया जाय। "सेवा ज्योत" को निखारते रहने की हमारी अभिलाषा में आपके सुझाव हमें हमेशा उपयोगी रहे हैं।

राजस्थान सेवा समिति के हमारे नामी-ग्रामी सदस्यों ने जिस तरह हमारे अध्यक्ष श्री गणपतराजजी चौधरी और हम सब ने मिलकर देखे हुए हमारे नये भवन के स्वप्न को साकार करने के लिये अपना योगदान देने के लिये स्वीकृति दी है इसी बात से सिद्ध होता है कि हमारी यह संस्था और हमारे सदस्य कुछ अलग ही है। राजस्थान सेवा समिति के सदस्य होना हम सब के लिये बेहद गौरव की बात है।

स्वप्न और उसकी सिद्धि के बीच का अंतर हमेशा एक चुनौती होता है। जब हम बीच वाले इस अंतर पर चलना प्रारम्भ करते हैं तो काफी कठिनाइयाँ भी आती हैं लेकिन साहस और धैर्य से यह बीच वाला अंतर ऐसे कट जाता है कि जैसे वह अंतर अपने आपमें सिर्फ एक आभास ही हो और जब स्वप्नसिद्धि की घड़ी आ जाती है तब उसका आनंद सच में बेजोड़ होता है। ऐसी स्वप्नसिद्धि की घड़ी तब आयेगी जब हमारे अध्यक्ष श्री गणपतराजजी के नेतृत्व में हमारे नये भवन का निर्माण संपन्न होगा।

मैं आपको यह भी अवगत कराना चाहता हूँ कि इस साल के हमारे सारे मुखपत्र "सेवाज्योत" जो अब तक प्रकाशित हुए हैं वह अब हमारी नयी बनायी गयी वेबसाइट [www.rajasthansewasamiti.com](http://www.rajasthansewasamiti.com) पर उपलब्ध है। हमारी इस वेबसाइट पर जा कर आप इन्हे पढ़ भी सकते हैं और डाउनलोड भी कर सकते हैं। इस वेबसाइट बनाने के पीछे हमारी कम्प्यूटर कमिटी के कन्वीनर श्री विवेकजी सराफ एवं कमिटी के सदस्य श्री आशीषजी चौधरी ने काफी मेहनत की है। उन्हें मैं बधाई देता हूँ।

जैसे मैंने बताया हमारे यह मुखपत्र सेवा ज्योत को बेहतर बनाते रहना हमारा लक्ष्य रहा है और इसे संभव करने में हमारी राजस्थान सेवा समिति बुलेटिन कमिटी के मेरे दो साथी मित्र को.कन्वीनर श्री राजेशजी बालर एवं कमिटी के सदस्य श्री रामचन्द्रजी बागरेचा का अधिकतम साथ रहा है जिसके लिये मैं यह दोनों साथी मित्रों का अभिवादन करता हूँ।

स्वप्न और स्वप्नसिद्धि के फासले को बताते हुए एक कवी ने सच ही कहा है.....  
एक "इच्छा" से कुछ नहीं बदलता,  
एक "निर्णय" से थोड़ा कुछ बदलता है  
लेकिन एक "निश्चय" सब कुछ बदल देता है....



**BHANWARLAL JAIN**  
Convenor, Rajasthan Bhawan Committee

हमारी "राजस्थान भवन कमिटी" की गतिविधि से आप सब को अवगत कराते हुए खुशी अनुभव करता हूँ। समिति के भवन के माध्यम से हमारी सारी विद्या संस्थाओं के बच्चों को पढ़ने के लिए श्रेष्ठ सुविधाएं प्रदान करना हमारा लक्ष्य रहा है और इसी उद्देश्य से "राजस्थान भवन कमिटी" हमारी सर्व शिक्षण संस्थाएं एवं संलग्न कमिटीओं से संपर्क में रहके आवश्यकता के अनुसार जीर्णोद्धार के कार्य करती रही हैं।

इस बार समिति ने हमारे गतिशील युवा-अध्यक्ष श्री गणपतराजजी चौधरी के नेतृत्व में शानदार गणतंत्र दिवस का आयोजन किया और उस शुभ अवसर पर "राजस्थान भवन कमिटी" ने समिति के प्रांगण में ही पुरे कार्यक्रम के लिए और उसी वक्त आयोजित लंच के लिए सुन्दर व्यवस्था का आयोजन किया।

"राजस्थान भवन कमिटी" के कन्वीनर होने के कारण मैं नियमित समिति के कार्यालय पर उपस्थित रहता हूँ और प्रयत्नशील रहता हूँ कि हम हमारे विद्यार्थियों के लिए श्रेष्ठ सुविधाएं निरंतर उपलब्ध कराते रहें और इस कार्य में कहीं भी समझौता न करें।

मुझे गर्व है कि यह पुरे मिशन में हमें हमारे अध्यक्ष एवं सर्व पदाधिकारियों का सम्पूर्ण सहयोग मिलता रहा है और इसी कारण यह कार्य करना मेरे लिए और हमारे को. कन्वीनर श्री मदनलालजी मेहता एवं सदस्य श्री लक्ष्मीचंदजी मदानी और श्री दिनेशजी बालर के लिये आनंद का विषय बना रहा है।



**VIVEKKUMAR SHROFF**  
Convenor, Computer Committee

Rajasthan Schools under the visionary guidance of Rajasthan Sewa Samiti Management have always strived to keep on introducing the latest in computer/software related developments for the benefit of all their students.

While on one hand we have dedicated/ specialised teachers to carry out this mission, on the other hand "Rajasthan Sewa Samiti" is also comprised of progressive minded office bearers who appreciate the importance of harnessing the power of computer/ information technology for the benefit of students.

The work of Computer Committee of Rajasthan Sewa Samiti is broadly divided into two parts.

1) To provide support, guidance and direction towards the computer related progress at the school as also to become a bridge between our educational institutions and the Samiti Management.

2) To extend computer related support to Rajasthan Sewa Samiti in high-lighting their activities, work and thus help enhancing its image in the society at large.

It is towards the second mission that I along with my colleague Shri Ashishji Chowdhary took up the task of totally re-vamping the "Web Site" of "Rajasthan Sewa Samiti". The revamped version was presented before the members in the Extra-ordinary General Meeting of the Samiti held on 22nd February, 2018 and it was appreciated by all. We are further improving the web-site to ensure that everything that one would like to know about Rajasthan Sewa Samiti would be available on the Website itself.

Our Next Mission would be to create an "App" which would enable our members to access the information of Rajasthan Sewa Samiti just by tapping the "App Icon" on their Mobile Screen.

I am much grateful to my friend & colleague on the committee Shri Ashishji Chowdhary for all his support.

As I have often mentioned earlier in my reports, following details reflect our work on the educational front.

- ✓ We have always strived to bring the best of computer equipment for the benefit of our students.
- ✓ We are privileged to have a team of sincere and competent teachers who use state-of-the-art computer lab to impart computer education to the students.
- ✓ Rajasthan Schools has been in the forefront of adopting Linux based education right from Std. 1.
- ✓ We not merely prepare the students to face their Board Exams but also how they can ensure the use of their computer related learning in their day to day living.
- ✓ Our Computer Centre has a team of nine teachers headed by Mrs Krishna Engineer.
- ✓ We have added one Intel i7 server to enable graphics intensive video editing applications for students.
- ✓ We have also added one more projector so that now we have two projector enabled computer labs.
- ✓ Three more CCTV cameras have been added with internet monitoring for a total of six cameras for the three labs.
- ✓ Computer related activities are carried out on a year round basis to stimulate the interest of our students.
- ✓ The computer centre has three air-conditioned labs equipped with three Dell servers and one Intel i5 server connected with 66 client computers with broadcasting facility. High-speed internet connection is monitored by firewall to avoid objectionable content.

The very fact that Rajasthan Sewa Samiti has formulated an exclusive Computer Committee is the proof of its vision about the importance of computer/ information technology, now and in the years to come.

We are aware that Rajasthan Sewa Samiti is all set to have its own multi-story building and I am sure that this highly expanded space & infrastructure will also culminate into even better computer facilities to our students.



**TEJKARAN LOONIA**  
Convenor, Gyanodaya School Committee

यह मेरा परम सौभाग्य है कि मैं राजस्थान सेवा समिति जैसी सेवाकारिणी संस्था का ट्रस्टी होने के साथ-साथ ज्ञानोदय शाला का कन्वीनर हूँ। इस शाला में सेवा कार्य सभी मानवीय दृष्टिकोणों को ध्यान में रखते हुए होते हैं। बालको से कम शुल्क लिया जाता है। और उन्हें श्रेष्ठ शिक्षण दिया जाता है। हमारा ध्येय शाला के माध्यम से धन कमाना नहीं अपितु समाज के भविष्य बालकों का सर्वांगीण विकास करके उन्हें देश का श्रेष्ठ नागरिक बनाना है।

आज के समय में शिक्षा के क्षेत्र में नई तकनीक एवं सुख सुविधाओं का समावेश हो गया है जो शिक्षण को सहज-सुंदर एवं गुणग्राही बनाने के लिए आवश्यक है। इन बातों के मद्देनजर हमने कुछ वर्ष पहले ही स्मार्ट क्लास एवं प्रोजेक्टर मय शिक्षण कक्ष बना दिए थे। बच्चों के लिए शाला में कंप्यूटर लेब, पुस्तकालय, विज्ञान लेब आदि सभी उपलब्ध हैं। फिर भी हमारा मन बच्चों के विकास एवं सुख सुविधाओं को बढ़ाने वाले साधनों को जुटाने के लिए सदैव प्रयत्नशील रहता है। हमारे यहाँ बालको को अनेक प्रकार कि प्रवृत्तियाँ सिखाई जाती हैं जिनसे उनका सर्वांगीण विकास होता है। बालको को स्काउट-गाइड खेलकूद, चित्र-संगीत आदि क्षेत्रों में प्रशिक्षित शिक्षकों द्वारा प्रशिक्षित किया जाता है। हमारे शाला के समस्त सांस्कृतिक कार्यक्रम अपनी उत्कृष्टता की छाप छोड़ते हैं।

बालको को समग्र शिक्षण सुव्यवस्थित वातावरण में दिया जा सके इस हेतु समिति ने नए भवन के निर्माण की योजना बनाकर क्रियान्वित करने का सराहनीय निर्णय लिया है। नव निर्मित भवन बालको के विकास एवं सुविधाओं को पूरा करने में पूर्णतः सक्षम होगा।

प्रवर्तमान समय में अंग्रेजी माध्यम की मांग होने के कारण इस वर्ष हिन्दी माध्यम जू.के.जी बंद करके अंग्रेजी माध्यम जू.के.जी शुरू करने का निर्णय बोर्ड द्वारा किया गया है।

गरीब बच्चों को फ्रीस माफ़ कर शिक्षण देना, उनको निःशुल्क किताबे एवं गणवेश देना आदि कार्य हमारी सेवा समिति बखूबी निभाती है।

शाला कि उत्कृष्ट गतिविधियों के कारण शाला का नाम पूरे शहर में प्रसिद्ध है। हर वर्ष महज 2-2 सीटों के लिए 100 -100 फार्म आना इसकी प्रसिद्धि का ही धोतक है।

यहाँ के शिक्षक गण प्रशिक्षित हैं तथा बालको को बड़े ही प्रेमपूर्ण ढंग से शिक्षण देकर उन्हें योग्य बनाते हैं। बालक भी भाईचारे की भावना रखकर प्रेम और सहयोग से रहते हैं।

माँ शारदा से मैं यह प्रार्थना करता हूँ कि उनकी कृपा से यह शाला दिन दुनी रात चौगुनी प्रगति करें।



**OMPRAKASH KEDIA**  
Convenor, National Welfare Committee

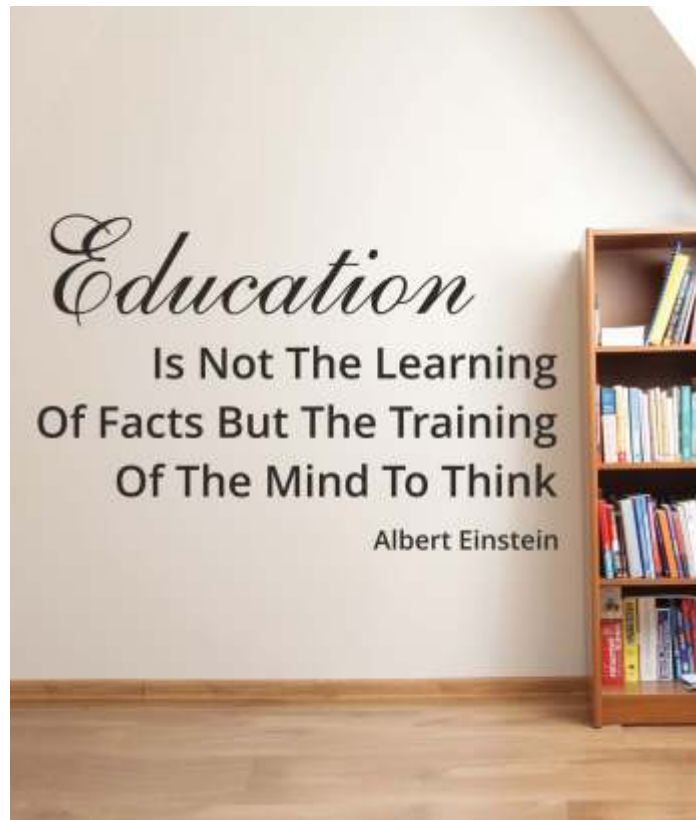
"जिस शिक्षा से हम अपना जीवन निर्माण कर सकें, मनुष्य बन सकें, चरित्र गठन कर सकें और विचारों का सामंजस्य कर सकें वही वास्तव में शिक्षा कहलाने योग्य है।"

- स्वामी विवेकानंद

पिछले कई दशकों के अथक प्रयास से राजस्थान सेवा समिति ने शिक्षा एवं चिकित्सा के अग्रिम पायदानों को सर किया है। साथ ही मानव सेवा की मूल भावना को केंद्र में रखते हुए भूकंप, बाढ़, सूखा एवं महामारी जैसे आपातकालीन समय में बचाव एवं राहत कार्य जैसी सेवाएं प्रदान कर सदैव मानवता का परिचय दिया है। आनेवाले समय में भी हम इसी प्रकार के कार्यों के लिए तत्पर रहेंगे।

राजस्थान सेवा समिति के सभी पदाधिकारियों की सर्व सम्मति से नयी स्कूल बिल्डिंग के निर्माण के निर्णय से हमें सेवाक्रिय और शैक्षणिक गतिविधियों के नये अवसर प्राप्त होंगे। इस पुनीत कार्य में सभी माननीय सहयोगियों के सहयोग की अपेक्षा के साथ,

धन्यवाद।



**BHERULAL JAIN**  
Convenor, Rajasthan  
Hindi High School Committee

राजस्थान सेवा समिति प्रांगण में हम सब ने काफी आनंद और उत्सव के साथ हमारे भारतीय गणतंत्र का 69 वां गणतंत्र समारोह मनाया। उस शुभ प्रसंग पर मैंने हमारी राजस्थान हिंदी हाई स्कूल कमिटी की ओरसे हमारे सब मेहमान को अवगत कराया कि हमारा यह विद्यालय परिवार पिछले 55 वर्षों से निरंतर समाज के बच्चों की शिक्षा के लिए कार्यरत है। सन् 1961 में अप्रवासित राजस्थानी उद्यमी एवं व्यापार जगत के लोगों ने समाज के विद्यार्थियों के शिक्षण की आवश्यकता महसूस की तथा तत्कालीन गुजरात के मुख्यमंत्री श्री डॉ. जीवराजभाई मेहता के करकमलों से इस राजस्थान हिंदी हाईस्कूल का प्रारम्भ हुआ, तब से निरंतर यहाँ शिक्षण सेवा यज्ञ का कार्य गतिशील है, आज यहाँ 3352 विद्यार्थी, 150 टीचिंग-नोनेटीचिंग स्टाफ के साथ इस छोटे से परिसर में हिन्दी एवं अंग्रेजी माध्यम से शिक्षण प्रदान कर रहे हैं।

राजस्थान सेवा समिति ने हमेशा इस बात पर विश्वास किया है कि विद्यालय की शिक्षा मनुष्य के जीवन में रीढ़ की हड्डी की तरह है, वह जितनी दृढ़ होगी, मजबूत होगी, जीवन में उतना ही स्थायित्व एवं दृढ़तापूर्वक जीने का हौसला होगा। हम मानते हैं कि प्रत्येक छात्र की अपनी-अपनी क्षमताएं होती हैं, हर विद्यार्थी डॉक्टर या इंजीनियर नहीं बन सकता और इसी आशय के साथ समिति विद्यालयों के लिए हर विद्यार्थी मायने रखता है। इन सभी बातों को मद्दे नजर रखते हुए, मुझे जब स्कूल कमिटी का संचालन का उत्तरदायित्व सन् 1995-96 में राजस्थान हिंदी हाईस्कूल के सहसंयोजक के रूप में सौंपा गया, तत्पश्चात 1998-99 में संयोजक, स्कूल कमिटी / कन्वीनर के रूप में सौंपा गया तबसे इस



**BABULAL SEKHANI**  
Convenor, Sahpathi Committee

राजस्थान हिंदी हाईस्कूल पिछले 50 वर्षों से भी अधिक समय से पुरानी ईमारत में सुचारु रूप से चल रही है। पिछले कई वर्षों से ऐसा महसूस किया जा रहा है कि स्कूल भवन को नयी परिकल्पनाओं एवं आकांक्षाओं के साथ नये रूप में साकार किया जाये। अतः पूर्व विद्यार्थी संगठन "सहपाठी" के सहयोग से निम्न बातों को ध्यान में रखकर स्कूल बिल्डिंग के पुनः निर्माण का द्रढ़ संकल्प हमने किया है।

दायित्व का निर्वहन कर रहा हूँ। उस समय 2000 में तत्कालीन शिक्षामंत्री रीही श्रीमती आनंदीबहन पटेल के हाथों से विद्यालय में जीवन-विज्ञान ध्यान योग का प्रशिक्षण विद्यालय के 52 शिक्षकों को दिलाकर उसे विद्यालय में लागू कराया। आचार्य श्री तुलसी एवं आचार्य श्री महाप्रज्ञ द्वारा प्रणत जीवनविज्ञान ध्यान योग का प्रयोग छात्रों के लिए शिक्षा में किया। क्योंकि शिक्षा बौद्धिक विकास, शारीरिक विकास, चारित्रिक एवं मानवीय संवेदनाओं के शिक्षण से युक्त हो तभी विद्यार्थी का चतुर्मुखी विकास होगा तथा उसे जीवन जीने की कला आयेगी और इसलिए शाला में विविध नए आयामों को जोड़ा।

उपर्युक्त उद्देश्यों को ध्यान में रखते ही विद्यार्थियों में साहस एवं अनुशासन आए इसके लिए N.C.C. एयर विंग का प्रारम्भ किया। N.C.C. की हमारी छात्रा परिता जड़िया को भूतपूर्व मुख्यमंत्री श्रीमती आनंदीबहन पटेल के वेबसाइट पर बेस्ट कैडेट ऑफ गुजरात के रूप में स्थान मिला, साथ ही 26 जनवरी को दिल्ली पेरड में हिस्सा लेने का अवसर मिला। हमारे यहाँ प्रत्येक दो वर्षों में खेलकूद सप्ताह का आयोजन किया जाता है। हमारी शाला की एक छात्रा का टेक वेन्डो में इंटर नेशनल लेवल पर चयन हुआ है।

यहाँ दोनों माध्यमों - हिन्दी एवं अंग्रेजी में कॉमर्स, साइंस एवं तीनों प्रवाहों का शिक्षण एक ही परिसर में हो रहा है, जहाँ बच्चों का भविष्य देखते हुए हमने 11वीं एवं 12वीं हिंदी माध्यम साथ-साथ अंग्रेजी माध्यम विज्ञान-प्रवाह को चलाने के लिए सेल्फ फाइनांस स्कूल का प्रारम्भ सन् 2000 से प्रारम्भ किया वहाँ आज राजस्थान हिंदी हाईस्कूल की तरह राजस्थान इंग्लिश हायर सेकेंडरी स्कूल भी शिक्षण क्षेत्र में अपना गरिमापूर्ण स्थान बनाये हुए है।

विद्यार्थी मित्रों को मेरा और हमारी समिति का हमेशा अनुरोध रहा है कि आप जीवन में जो कुछ भी प्राप्त करेंगे इस समाज को किसी न किसी रूप में लौटाएंगे भी। इस समाज के लिए भी आपको कुछ करना है। यह बात विद्यार्थियों को सदैव याद रखनी है। जरूरी नहीं की उनका योगदान धन से ही हो परन्तु स्वस्थ मन से भी वे समाजोपयोगी हो सकते हैं।

- आधुनिक शिक्षा प्रणाली का अमल करना।
- अत्याधुनिक साधन और सुविधा के द्वारा नैतिक एवं व्यावसायिक शिक्षा देना।
- कम्प्यूटर एवं विज्ञान की लैब को साधन सुसज्ज बनाकर बच्चों की गुणवत्ता में बढ़ोतरी करना।
- योगा-रूम, मल्टीमीडिया रूम, इनडोर गेम्स रूम, कैटीन, द्विस्तरीय पार्किंग व्यवस्था की सुविधा तैयार करना।
- ऐसी सुविधाओं की व्यवस्था करके रखना जिसकी आवश्यकता आने वाले भविष्य में पड़ सकेगी।

इस भगीरथ प्रयास में हमें, समिति के पदाधिकारीगण, पूर्व विद्यार्थी संगठन, वर्तमान एवं भूतपूर्व आचार्य, शिक्षक, विद्यार्थियों एवं अभिभावकों के द्वारा मिल रहा जनसमर्थन हमारा उत्साह वर्धन कर रहा है।



**RAJENDRAKUMAR BAGRECHA**  
Hon. Jt. Secretary

राजस्थान सेवा समिति के सहमंत्री श्री राजेन्द्रजी बागरेचा कई सालों से समिति में नींव की शक्ति बने रहे हैं। यह एक ऐसे व्यक्ति हैं जिनकी रगों में सेवा दौड़ती है। राजस्थान हिंदी हाई स्कूल में ही उन्होंने अपनी शिक्षा ली और इसी कारण समिति के प्रति उन्हें उपकार की भावना भी है और लगाव भी है। आप राजस्थान सेवा समिति की सहपाठी कमिटी के सह कन्वीनर भी हैं।

राजेन्द्रजी पूर्व में वर्ष 2013-17 के कार्यकाल में समिति के सहमंत्री रह चुके हैं और इसी स्थान पर फिर एक बार अपनी सेवाएँ दे रहे हैं। आप राजस्थान सेवा समिति संचालित राजस्थान हिंदी हाई स्कूल कमिटी के भी छः साल सदस्य रह चुके हैं।

राजस्थान सेवा समिति से ही जिसका जन्म हुआ है ऐसा एक महत्वपूर्ण आयोग "राजस्थान हॉस्पिटल्स" के बोर्ड ऑफ़ मैनेजमेंट के भी राजेन्द्रजी सदस्य हैं।

राजेन्द्रजी हमारे वर्तमान अध्यक्ष श्री गणपतराजजी के दीर्घदस्ता नेतृत्व में समिति के जो कार्य हो रहे हैं और होने जा रहे हैं उससे काफी प्रभावित है।

समिति से आप जब से जुड़े हुए हैं तब से आज तक जब भी गुजरात राज्य या आसपास के इलाकों में कोई भी कुदरती आपदा आयी, तब आपने काफी काम किया है। इस साल भी जब गुजरात में बाढ़ की आपदा आयी तब अध्यक्ष श्री गणपतराजजी की प्रेरणा से और पूर्वाध्यक्ष श्री खीमराजजी के मार्गदर्शन में आप खुद बाढ़ से प्रभावित स्थलों का दौरा करने गए थे और बाढ़ में उन जगहों पर खुद जा कर आपने राहत सामग्री का वितरण भी किया था। इस कार्य में आपके साथी रहे श्री मदनजी मेहता और श्री महेन्द्रजी शाह।

प्लास्टिक ग्रैनुल्स के व्यवसाय से जुड़े हुए श्री राजेन्द्रजी हमेशा मानते हैं कि हर व्यक्ति के जीवन में अर्थ उपार्जन सिर्फ एक छोटा सा भाग ही होना चाहिये और

पूरे समाज और विश्व को कुटुम्ब समजते हुए हर व्यक्ति को परमार्थ प्रवृत्तियों में भी अपना यथायोग्य योगदान देते रहना चाहिए। राजेन्द्रजी ने अपने नम्र स्वभाव से समिति में, समिति के बाहर और अन्य जितनी भी संस्थाओं के साथ वह जुड़े हुए हैं वहाँ काफ़ी सम्मान प्राप्त किया है।

आप विश्व विख्यात लायंस क्लब ऑफ़ कर्णावती के एलीट सदस्य हैं और पूर्व में आप क्लब के सहमंत्री भी रह चुके हैं। आप अहमदाबाद स्थित कर्णावती स्पोर्ट्स एवं रिक्रिएशन क्लब तथा अहमदाबाद राइफल क्लब के भी सदस्य हैं।

सेवा से राजेन्द्रजी का झुकाव रहा है और इसी कारण आप राजस्थान जैन युवक संघ अहमदाबाद के सहमंत्री, उपाध्यक्ष एवं अध्यक्ष रह चुके हैं। आप ओसवाल वेलफेयर सोसाइटी एवं महावीर एजुकेशन सोसाइटी के भी सदस्य हैं। श्री राजेन्द्रजी JITO जैन इंटरनेशनल ट्रेड आर्गेनाइजेशन अहमदाबाद चैप्टर के भी सदस्य हैं।

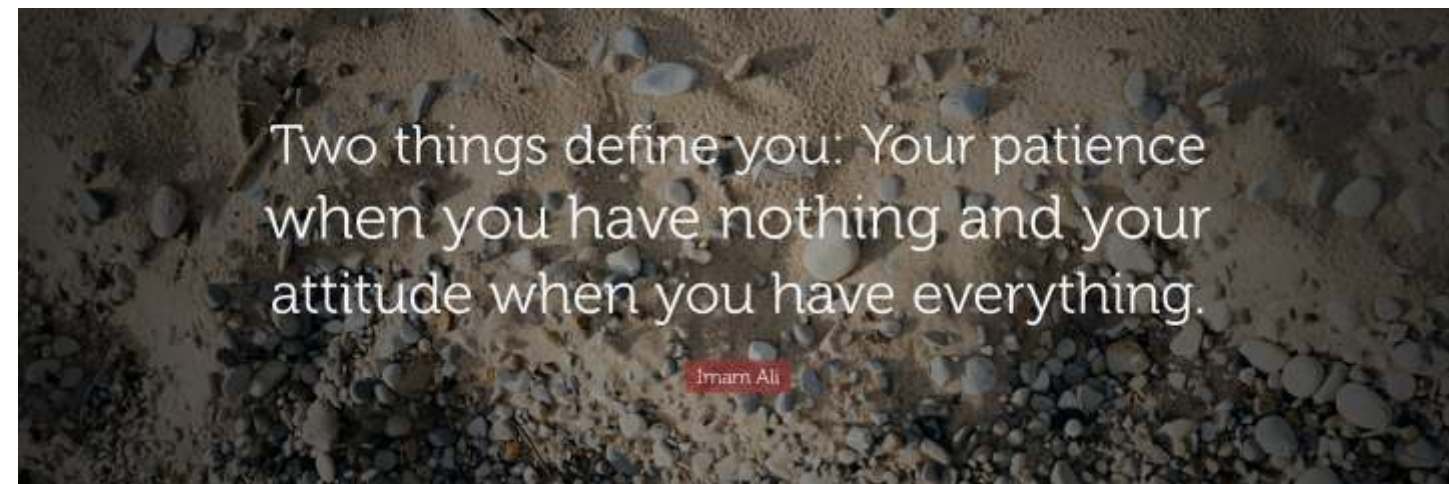
आप जब राजस्थान जैन युवक संघ के मंत्री थे तब आपके कार्यकाल दरम्यान ही गुजरात के कच्छ प्रान्त पर भूकंप की आपत्ति आयी थी और राजस्थान जैन युवक संघ ने श्री खीमराजजी जैन एवं श्री नेमिचंदजी बागरेचा के नेतृत्व में कच्छ के भचाऊ, रापर एवं अंजार शहर में उधर के जैन 500 परिवारों को जिन के घर भूकंप में धराशायी हुए थे उन्हें नए मकान बना कर दिये थे।

राजस्थान स्थित गढ़ सिवाना आपकी मातृभूमि है और गढ़ सिवाना में आपके परिवार के सहयोग से श्री सुमतिनाथ भगवान का शिखर मंदिर भी बना हुआ है। आप सिवाना सेवा समिति के भी सदस्य हैं।

राजस्थान सेवा समिति के नये भवन निर्माण के प्रति आप काफी उत्साहित हैं और आप बारबार जिक्र करते हैं कि नये भवन के कारण समिति की छबि ओर भी उज्ज्वल बनेगी।

राजस्थान सेवा समिति की सहपाठी कमिटी के सह कन्वीनर होने के नाते श्री राजेन्द्रजी बागरेचा ने समिति की शालाओं के सहपाठीओं से राजस्थान सेवा समिति के सदस्य बनने के लिये खास अनुरोध किया है।

राजेन्द्रजी बागरेचा एक ऐसे व्यक्तिविशेष हैं जिनका भरोसा हमेशा "I" नहीं



PRESENTING  
**HERITAGE**  
COLLECTION

AN EPIC SAGA OF  
VIBRANT INDIAN LEGACY



«By»

**K·ZINZUWADIA**  
LEGACY

"Since the beginning of time, the charm of jewellery and the beauty of Indian women has been inseparable. Who are we to change things now?"

JODHPUR CROSS ROAD, SATELLITE, AHMEDABAD. ☎ 079-26926662/64 📱 /kzinzuwadialeacy



**SAMPAT DASANI**  
Hon. Treasurer

समस्त राष्ट्र में राजस्थान एक ऐसा राज्य है, जो अपनी ऐतिहासिक, सांस्कृतिक, अध्यात्मिक और व्यावसायिक परम्पराओं एवम् गतिविधियों के कारण देश विदेश में अपनी विशिष्ट पहचान रखता है। भौगोलिक आधार पर इसके अलग-अलग भाग हरियाणा, मध्यप्रदेश, गुजरात और सीमांत क्षेत्रों से जुड़े हुए हैं।

राजस्थान के जिन परिवारों ने अपनी आजीविका और व्यवसाय के लिये वर्षों पहले गुजरात के अहमदाबाद को अपना केंद्र बनाया उनमें से अधिकांश व्यक्ति खुशहाल स्थिति में जीवनयापन करते हुए अपने व्यापारिक, पारिवारिक और सामाजिक कर्तव्यों का वहन बखूबी कर रहे हैं। भाषा, संस्कृति, वेशभूषा के आधार पर पूर्णतया साम्य न होने पर भी आपसी मेल-जोल और मित्रता के रूप में सभी प्रवासी अनेकता में एकता के प्रतिबिम्ब हैं।

राजस्थान सेवा समिति नगर का एक ऐसा अनूठा संस्थान है, जिसके अंतर्गत पूरे प्रदेश के लोग तन, मन, धन से जुड़कर अपनी सामाजिक सेवायें प्रदान कर रहे हैं। यह एक ऐसा अदभूत संस्थान है, जिससे जुड़कर प्रत्येक राजस्थानी, एक विशेष अपनत्व का अनुभव करता है।

आज इस संस्थान को स्थापित हुए ५७ वर्ष हो गये हैं। इतने दीर्घ समय में स्थानीय राजस्थानी बंधुओं ने इसे अपने अर्थ, श्रम, और समय द्वारा संस्था के मौलिक उद्देश्यों-शिक्षा और सेवा को साकार करते हुए उच्च शिखर पर पहुँचाया है। प्रारंभ से शिक्षा के रूप में भगीरथ कार्य प्रायमरी और सेकेंडरी स्कूल के रूप में हिंदी एवम् इंग्लिश माध्यम से ज्ञान-दान आज भी अनवरत रूप से जारी है। विद्यालय के अनेकों छात्र राज्य स्तर पर सर्वोच्च स्थान प्राप्त कर चुके हैं। इसी विद्यालय में अनेक छात्रों ने शिक्षा के द्वारा निपुणता प्राप्त कर आगे चल कर औद्योगिक, व्यापारिक और व्यावसायिक क्षेत्रों में भव्य सफलतायें प्राप्त की हैं। राजस्थान सेवा समिति के अंतर्गत संपूर्ण आधुनिक चिकित्सकीय व्यवस्थाओं, सुविधाओं और दक्ष डॉक्टरों से युक्त राजस्थान हॉस्पिटल्स के नाम से बहुत वर्षों से कार्यरत है जिसमें स्थानीय लोगों के अतिरिक्त विभिन्न प्रांतों से चिकित्सा हेतु आये हुए व्यक्ति संतोषजनक अनुभव लेकर जाते हैं।

इनके अतिरिक्त मानवीय सेवाओं के अंतर्गत गुजरात, राजस्थान और अन्यत्र कहीं भी प्राकृतिक आपदाओं के समय राजस्थान सेवा समिति एक अग्रणी संस्था के रूप में जानी जाती है। अतिवृष्टि, बाढ़, अकाल, भूकंप आदि विपदाओं में अनेकों बार उदारमना सदस्यों ने धन और वस्तुओं द्वारा ही नहीं, स्वयं पहुँचकर सेवाकीय कार्य किये हैं। इस प्रकार संस्था का गौरवमयी स्वर्णिम

इतिहास सब की प्रेरणा का विषय है।

समय समय पर संस्था के ट्रस्टीगण, अध्यक्षगण, पदाधिकारीगण लगातार हुए विकास के साक्षी रहे हैं। अपनी दूरदर्शिता, दक्षता और परिश्रम से सबने संस्था में अपनी जी जान लगाते हुए भव्य उच्चता तक पहुँचाने के कार्य के लिये समूचा समाज उनका ऋणी है। ऐसे विरल व्यक्तित्व के धनी कुछ विशेष व्यक्ति जो अब इस जगत में नहीं हैं, उन सभी के नाम संस्था के इतिहास में स्वर्णोक्षरों से लिखे जाएंगे।


संस्था के वर्तमान अध्यक्ष श्री गणपतराजजी चौधरी, शानदार व्यक्तित्व के धनी हैं। उन्होंने अपने जीवन के प्रत्येक क्षेत्र में बहुत ही अल्प समय में अभूतपूर्व उपलब्धियां हासिल की हैं। उनके साकार अनुभवों और सबको साथ लेकर चलने की अदभूत क्षमता के कारण संस्था एक नये क्षितिज स्पर्श करने के लिए तत्पर है। आपकी अध्यक्षता में लिए गये सामूहिक निर्णय के अनुसार वर्तमान स्कूल के भवन को हटाकर अध्ययन का क्रम चालू रखते हुए आधुनिक सुविधाओं से युक्त, अति भव्य, नौ मंजिला ईमारत की नींव लगने का शुभारम्भ अतिशीघ्र प्रारंभ होने जा रहा है। जिस प्रकार की योजना बनी है, उसे देखते हुए इस अल्ट्रामॉडर्न भवन के बाद स्कूल में आधुनिक और बेहतर शिक्षा से स्तर तो बढ़ेगा ही, नगर में राजस्थान प्रवासियों का एक कीर्तिस्तम्भ स्थापित हो जायेगा। अध्यक्ष श्री सहित समस्त पदाधिकारिगण एवं अन्य सदस्य इतने उत्साहित हैं कि उन्होंने अति अल्प रिकॉर्ड समय में इस कार्य को पूर्ण करने का बीड़ा उठाया है। इस शुभकार्य के लिए चंद दिनों में ही इक्यावन लाख रूपये की राशि के ३८ संभवित ट्रस्टियों की स्वीकृति भी प्राप्त हो चुकी है। स्वयं अध्यक्ष महोदय का विशेष अनुदान भी उल्लेखनीय व प्रशंसनीय है। हाल ही में सैंकड़ों नये आजीवन सदस्य भी संस्था के साथ जुड़े हैं।

मुझे अत्यंत हर्ष और गर्व है कि मैं इस महत्वपूर्ण संस्था से लगभग पिछले ५७ वर्षों से जुड़ा हूँ। मैंने अपनी प्रारंभिक शिक्षा S.S.C. तक की इसी विद्यालय में प्राप्त की, उस समय के गुरुजनों को हृदय से प्रणाम करता हूँ। यह मेरा परम सौभाग्य है कि उत्तरवर्ती वर्षों में इस उच्चकोटि की संस्था के सेवाकीय कार्यों का अवसर मुझे प्राप्त हुआ। कार्य समिति का सदस्य बनने के बाद सन् २०१३ से २०१७ तक मुझे कोषाध्यक्ष का दायित्व प्राप्त हुआ। संयोग से नई टीम में भी मुझे इसी पद के लिए पुनः चयनित किया गया है। समस्त ट्रस्टियों, पदाधिकारियों और स्टाफ से मुझे निरंतर योग्य सहयोग प्राप्त होता रहा है। मेरा भरसक प्रयत्न रहता है कि मैं अपने कार्यभार को भली-भांति निभा सकूँ। सदस्यों की जानकारी के लिये, मैं यह बताना चाहूँगा हूँ कि संस्था के पास अभी करीब चौदह करोड़ की राशि फिक्स डिपोजिटस के रूप में जमा है और अभी तो नये प्रस्तावित ट्रस्टियों की धनराशि भी आनी है।

जीवन के प्रारंभिक वर्षों से सांध्यकाल तक मेरा लगाव संस्था के प्रति अमिट रूप से बना हुआ है। मेरे मन में हर क्षण संस्था के उत्थान की प्रबल भावना रहती है। प्रभू से प्रार्थना है कि यही भावना मुझमें जीवन पर्यन्त बनी रहे एवम् मैं विभिन्न रूप से समय समय अपनी सेवायें संस्था को देता रहूँ।

राजस्थान सेवा समिति के लिए काफी गर्व की बात है कि समिति में हमारे साथ नये 259 सदस्य अब जुड़ गये हैं। इन नये सदस्यों को मिलाके समिति की कुल सदस्यता अब 1430 हो गयी है जिससे राजस्थान सेवा समिति की प्रतिष्ठा और समाज में संस्था ने जो विश्वास संपादन किया है इसका अंदाज आ सकता है। 259 नये सदस्य हमारे साथ जुड़ने से हमें हमारे कई सारे अभियान में अवश्य उनका साथ और सहकार मिलेगा। नये सदस्यों का राजस्थान सेवा समिति में हार्दिक स्वागत है।

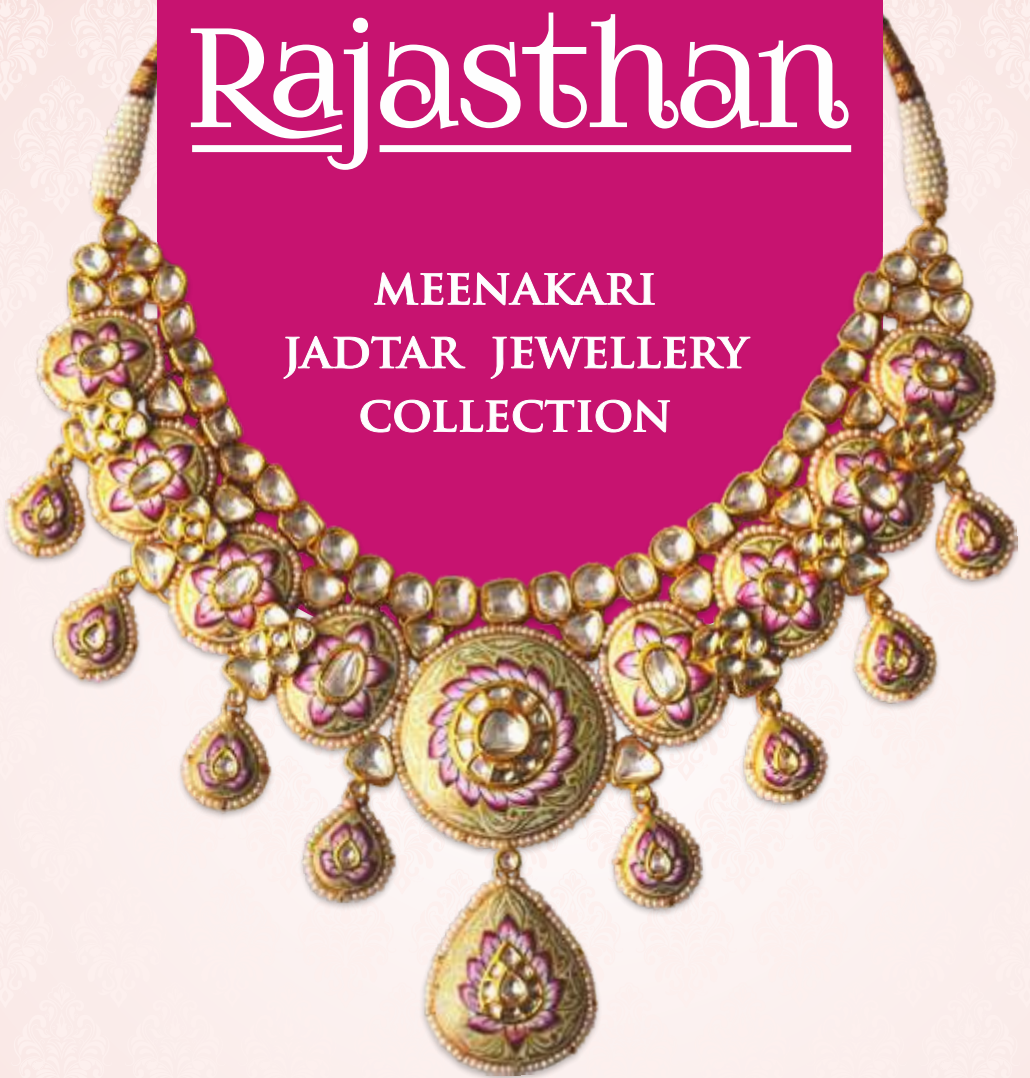





# Rangeelo

# Rajasthan

## MEENAKARI JADTAR JEWELLERY COLLECTION

# KK JEWELS

GROUND FLOOR, ISCON CENTRE, SHIVRANJANI CROSS ROADS,  
SATELLITE, AHMEDABAD. CALL : 80002 34951  
SUNDAY OPEN - VALET PARKING AVAILABLE

[/KKJEWELSBYKAILASHKABRA](https://www.facebook.com/KKJEWELSBYKAILASHKABRA) [/K.K.JEWELS](https://www.instagram.com/K.K.JEWELS)

916BIS HALLMARKED

## जीवन की कुछ ऐसी बातें जिन्हे नजरअंदाज करना सचमें गलत होगा

हमारी जीवन यात्रा में चाहे हम विद्यार्थी हो, किसी व्यवसाय में व्यस्त हो या फिर निवृत्त जीवन व्यतीत कर रहे हो, जीवन के हर मोड़ पर कुछ ऐसी बातें होती हैं जिन्हे नजरअंदाज करना गलत साबित होता है।

हमारे व्यक्तित्व का विकास सच में एक कला से कम नहीं है। लेकिन व्यक्तित्व का विकास समय मांग लेता है। इसमें धैर्य की जरूरत रहती है। इसके लिये आवश्यक होता है की आप आपके सुविधा क्षेत्र यानी कम्फर्ट जोन से बाहर निकले और यह पूरी प्रक्रिया एक चुनौती है। लेकिन स्वयं के व्यक्तित्व का निखार असंभव भी नहीं है। इसी सन्दर्भ में आज आपके समक्ष कुछ विचार प्रस्तुत करने हैं।

1) जीवन में आप जब भी कोई असफलता का सामना करें तो इसे असफलता न समझते हुए इसे कुछ नया सिखने का अवसर समझिए।

हमारे बिच कई लोग ऐसे होते हैं जिनके लिये किसी कार्य, किसी संबंध या किसी योजना का सफल नहीं होना जैसे एक बड़ी हार है। असफलता उन्हें एक निराशा की जाल में जकड़ लेती है। उससे बाहर आना उनके लिये मुश्किल हो जाता है। और ऐसे निराशा अभिगम के कारण उनके काफी अन्य कार्य भी बिगड़ जाते हैं। दूसरी तरफ कुछ ऐसे आशावादी लोग होते हैं जिनको असफलता से कोई फर्क नहीं पड़ता। उनके लिए जैसे असफलता एक पाठशाला है और उनसे भी वे कुछ सिख लेते हैं। बात सिर्फ नजरिये की है एक ही परिणाम, असफलता समझने से निराशा का सर्जन करता है और सफलता की मंजिल पर ले जानेवाले पाठ्यक्रम समझने से हमें उत्साह से भर देता है।

2) सफलता की लिए दूसरी आवश्यक बात है आपका निरंतर अभिगम।

कई लोग कार्य के आरम्भ में तो काफी उत्साहित होते हैं। जैसे एक जूनून होता है। ऐसा मानके कार्य का आरम्भ करते हैं की बस कुछ ही दिनों में मंजिल पर पहुँच जायेंगे। लेकिन दो दिन, तीन दिन या एक सप्ताह में पूरा उत्साह ठंडा पड़ जाता है। वे कोई दूसरे ओर काम में जुड़ जाते हैं और लिए हुए कार्य की पूरी प्रारंभिकता ही बदल जाती है। अंग्रेजी में एक मुहावरा है की "रोम सिर्फ एक ही दिन में नहीं बना था।" कई लोग अपने स्वास्थ्य का ध्यान रखने के लिए व्यायामशाला (Gymnasium) में पुरे सप्ताह में एक भी दिन नहीं जाते और बादमें फिर एक दिन आराम लिए बिना 3 या 4 घंटे व्यायाम कर लेते हैं। आप समझ सकते हैं की ऐसे अनिर्न्तर कार्य से कोई सफलता नहीं मिल सकती। किसी भी कार्य में सफलता के लिये ऐसा अभिगम गलत है। जरूरी बात यह है कि आप जो भी कार्य हाथ में ले उसे लम्बे समय तक समर्पण की भावना से करते रहें। रास्ते में कोई भी कठिनाईसे हार न माने, अपने निश्चय पर टिके रहे और आप आपके कार्य में अवश्य सफल होंगे।

3) अकेले कार्य करने से ज्यादा अच्छा है की आप अपनी टीम के साथ अपने मिशन पे आगे बढ़ें।

टीम की मिली हुई ताकत जैसे एक जादू का काम करती है। टीम के हमारे साथियों से न सिर्फ हमें उनकी शक्ति मिलती है लेकिन नयी सोच भी मिलती है। जब कभी निष्फलता का सामना करना पड़े तब आश्वासन भी मिलता है। हमें एक विश्वास रहता है कि कार्य में हम अकेले नहीं हैं। इसी कारण जीवन में सफलता के लिए या तो परिवार के सदस्यों को या दोस्तों को या आपकी कंपनी में साथ काम कर रहे मित्रों को साथ रख के, टीम बनाकर चलिए और आपको शीघ्र उसके

अच्छे परिणाम देखने मिलेंगे। साथ ही साथ ऐसे लोगों का संग रखिये जो आपका उत्साह और आत्मविश्वास ओर बढ़ाते रहें और न की आपसे बार बार कहते रहे की यह कार्य करना असंभव है।



4) सफलता की मंजिल की ओर आगे बढ़ते हुए रास्ते में जबभी ऐसा लगे कि अब क्या करेंगे, कैसे आगे बढ़ेंगे, कहीं हमारा पूरा मिशन गलत तो नहीं है तब एक बात जरूर याद रखिये कि सही समय आने पर हर कठिनाई का निराकरण अपने आप आपके सामने आ जायेगा। इसका मतलब कतई यह नहीं की आप आँखे मूंदकर आगे बढ़ते रहिये लेकिन सही बात यह है कि आपने जो मार्ग तय किया है उसपे आगे बढ़ते रहने से, नजर के सामने BIG PICTURE रखने से, अपने आप रास्ता खुलता जायेगा क्यों की सफलता की जिन बुलंद उंचाईओं पर आप पहुंचना चाहते हैं उसके मार्ग में छोटी मोटी कठिनाईओं का आना तो जायज है।

5) कभी अपने आपकी तुलना दूसरों से मत कीजिये। हर व्यक्ति अलग है। उनके काम करने के तरीके अलग हैं। उनकी पैदाइश अलग है। उनके पूर्व एवं वर्तमान हालात अलग हैं और उसी कारण हर परिस्थिति से निपटने के उनके विचार और व्यवहार भी अलग हैं। इसी कारण दूसरों से अपनी तुलना न करते हुए बस अपना काम करते रहिये। हाँ, दूसरों से अच्छी बातें जरूर सीखते रहिये लेकिन दूसरों के कारण अपने आपको निरुत्साह मत होने दीजिये।

6) आप क्या करते हैं उससे ज्यादा आप कैसे करते हैं वह ज्यादा मायने रखता है। काम चाहे कितना भी छोटा या कितना ही बड़ा क्यों न हो लेकिन उसे अपना श्रेष्ठ योगदान देने से आप ऐसे छोटे या बड़े काम के माध्यम से सफलता के उच्चतम शिखर पर पहुँच सकते हैं। आपके छोटे या बड़े काम के प्रति अगर आपका रवैया विनम्रता का, निष्ठा का, अनुशासन का और कुछ नया करने की तमन्ना का है तो आप शायद ही सोच सकते हैं कि आप किन उंचाईओं पर पहुँच सकते हैं।

7) सफलता की मंजिल पर पहुंचने के बाद आप जो आनंद मिलने की परिकल्पना ले कर चल रहे हैं उतना ही आनंद मंजिल के हर कदम पर उठाना सीख जायें। आप अभी जो भी कार्य कर रहे हैं अगर वह कार्य आपको वर्तमान में ही आनंद देता है तो काम पूरा होने पर मिलने वाला आनंद मानो बोनस होगा। अगर आप जीवन में वही कार्य करते हैं जिनसे आपसे आनंद मिलता है और जिसे करने से आगे जाके आपको काफी सफलता भी मिलने वाली है तो समझ लेना आपका मार्ग सही है।

स्वयं का विकास सच में एक जीवन यात्रा है और मंजिल कतई नहीं है क्यों की मंजिल पर मिलने वाला आनंद आप वर्तमान में, हर दिन, हर पल पाते रहते हैं।

*the*  
**FIRST STEP**  
**TOWARDS**  
**GETTING**  
*somewhere*  
**IS TO DECIDE**  
*that you are*  
**NOT GOING**  
**TO STAY**  
*where you*  
**ARE.**



दिनांक २७/१२/२०१७, बुद्धवार, प्रातः १०.०० बजे

श्री गणपतराजजी चौधरी की अध्यक्षता में हुई, जिसमें २७ सदस्य महानुभाव एवं ५ विशेष आमंत्रित महानुभाव उपस्थित हुए।

इसमें समिति सदस्यता हेतु आए हुए १४ आवेदन पत्रों को सहर्ष स्वीकृत किया। सदस्यता क्रमांक ११५८ से बढ़कर ११७१ (सदस्य ११७०) हो गई दो प्रतिनिधियों के परिवर्तन एवं पता परिवर्तन सदस्यता क्रमांक ७५१ में किया गया।

प्रस्तावित स्कूल के नई बिल्डिंग के प्रस्तावित नक्शों पर प्रकाश डाला गया। सभासदों को वीडियोवोक करवाया और स्कूल बिल्डिंग नई बनाने की जरूरत बताया गया, नक्शों भी पारित किये गये। आर्किटेक्ट ने भी डिटेल्स मय खर्च, समय बताया।

अध्यक्षश्री एवं मंत्रीश्री ने सभासदों द्वारा उपस्थित प्रश्नों के विशेष जानकारी का संतोषप्रद ढंग से जवाब दिया एवं उन्होंने संतोष व्यक्त किया। बांधकाम की पूरी देखरेख रखने की जिम्मेदारी हेतु ११ सदस्यों की कमिटी का गठन करना पदाधिकारियों पर छोड़ा गया।

प्रस्तावित नई बिल्डिंग हेतु वित्तीय व्यवस्था पर सांगोपांग प्रकाश अध्यक्षश्री द्वारा डाला गया। मुख्य दाता जिनका नाम स्कूलों पर लगेगा वह श्री गणपतराजजी चौधरी, अध्यक्ष द्वारा रु. ८ करोड़ एक लाख का सभा के प्रस्ताव को सहर्ष, शालीनता से स्वीकार कर लिया। रु. ५१ लाख देकर बनने वाले donor Trustees का भी नाम लिखा गया।

इन सबके लिए संविधान की नियमावलियों में कानून संशोधन का प्रस्ताव आवश्यक रहेगा उस दिशा में क्रियाशील रहना तय किया। समिति का नया बचत बैंक खाता कोटक महिंद्रा बैंक शाहीबाग ब्रांच में खोलना तय हुआ।



दिनांक १५/०१/२०१८, सोमवार, प्रातः १० बजे

श्री गणपतराजजी चौधरी की अध्यक्षता में हुई २५ सदस्य महानुभाव उपस्थित हुए।

प्रस्तावित रु. ५१ लाख के ३१ ट्रस्टियों का नाम बताया ३ फॅमिली डोनर ट्रस्टी का नाम बताया और ५ ट्रस्टी के रु. १ करोड़ राशि प्रत्येक ट्रस्टी बनाने का सलाह सूचन किया। कुल लिमिट रु. ५१ लाख के प्रति ट्रस्टी की ५१ बताई। २६ जनवरी २०१८ के गणतंत्र दिवस के समारोह को स्कूल प्रांगण में शानदार एवं भव्य ढंग से मनाने का अनुरोध किया जिसमें श्री संजयभाई लालभाई (एडुकेशनिस्ट) चीफ गेस्ट एवं श्री राजेन्द्रभाई शाह (SAL GROUP) को गेस्ट ऑफ ऑनर बुलाने की बात कही।

प्राथमरी स्कूलों में हिंदी माध्यम से शिक्षा देना आवश्यक न होने से हिंदी माध्यम बंद करना तय किया। माइनोंरिटी स्टेट्स को ध्यान में रखने की बात भी कही कि इसमें आंच न आये।



दिनांक ७/२/२०१८, बुद्धवार, प्रातः १०.०० बजे

श्री गणपतराजजी चौधरी की अध्यक्षता में हुई। २४ सदस्य महानुभाव उपस्थित हुए।

समिति में भवन / स्कूल नवनिर्माण के लिए दान राशि इकट्ठा करने मुख्यदाता एवं दाता ट्रस्टियों के बारे में ५६वीं वार्षिक साधारण सभा में हुए निर्णय के फलस्वरूप संविधान में आवश्यक संशोधन पर चर्चा विचारणा कर निर्णय किया।

दाता श्रेणी के अतिरिक्त अवशिष्ट ३ श्रेणियों को आगे से न रखने का निर्णय किया गया। दाता श्रेणी की सदस्यता शुल्क रु. एक लाख किया जाना नक्की किया जाना वाजिब है ऐसा बताया। और भी शुल्क बढ़ाने का कार्य कार्यकारिणी पर छोड़ा गया।

समिति में पदाधिकारियों की संख्या ६ से ११ किया तथा कार्यकारिणीमें मानद मंत्री को विशेष आमंत्रित किया जाये ऐसा तय किया।

ट्रस्टियों में से पदाधिकारी भी बन सकेंगे।

GRMI के साथ लीज डीड्स की शर्तानुसार बोर्ड ऑफ़ मेनेजमेंट में राजस्थान सेवा समिति का रिप्रजेंटेशन वह ट्रस्टी नहीं करेंगे जो GRMI के बोर्ड ऑफ़ मेनेजमेंट में पहले से सदस्य हैं।

साधारण सभा, असाधारण सभा की शुरुआत में कोरम ४० व्यक्तियों के अभाव में ३० मिनट राह देखने के बाद स्थगित सभा में जो भी सदस्य उपस्थित रहेंगे उनसे कार्य संचालन कर सकेंगे। यह कार्यवाही मान्य रहेगी।

वर्तमान ट्रस्टी मंडल का कार्यकाल ई.स. २०२२ तक रहेगा इसके बाद के ट्रस्टीमंडल का कार्यकाल ६ साल का रहेगा।

कानून एवं ये उक्त सभे संविधान में संशोधन समिति की असाधारण सभा में स्वीकृत होने पर लागू हो सकेंगे।



दिनांक २२/०२/२०१८, गुरुवार, प्रातः ९.३० बजे

श्री गणपतराजजी चौधरी की अध्यक्षता में हुई जिसमें २५ सदस्य महानुभाव उपस्थित हुए।

समिति सदस्यता हेतु २५९ आवेदन पत्रों को स्वीकृत किया गया, समिति की सदस्यता क्रमांक १४३० हो गई और समिति सदस्य संख्या १४२९ है।

प्रस्तावित संविधान संशोधन/परिवर्तन/परिवर्तन पर अध्यक्षश्री गणपतराजजी द्वारा प्रकाश डाला गया। सभी सभासदों से आधा घंटे बाद असाधारण सभा आज दिनांक २२/०२/२०१८, १० बजे होगी उसमें उपस्थित रहकर आगे सहयोग करने का कहा।

दिनांक २२/०२/२०१८, गुरुवार प्रातः १० बजे,

यह सभा श्री गणपतराजजी चौधरी की अध्यक्षता में हुई जिसमें ७४ सदस्य महानुभाव उपस्थित हुए। विगत साधारण सभा दिनांक १६/१०/२०१७ की कार्यवाही का विवरण पढ़कर सुनाया गया जिसे सर्व सम्मत स्वीकृत किया।

इस सभा में प्रस्तावित संविधान संशोधन (पृष्ठ ६ देखें) विचार विमर्श कर पारित किये एवं सदस्यों (१४२९) को भेजना तय किया ताकि उनकी सहमति प्राप्त/असहमति प्राप्त हस्ताक्षर सहित ले लें।

नोध: ये पत्र भेजे गये हैं एवं सदस्यों के पत्रोत्तर भी मिल रहे हैं।



# RAJASTHAN SEWA SAMITI - STEPPING TOWARDS NEW HORIZONS



राजस्थान से आकर जिन मित्रों ने गुजरात को अपनी कर्मभूमि बनाया है, उन सब मित्रों ने इस धरती पर कई मील के पत्थर स्थापित किये हैं। निःसंदेह उनमें से एक है शाहीबाग अहमदाबाद में स्थित "राजस्थान सेवा समिति"।

राजस्थान सेवा समिति द्वारा स्थापित राजस्थान हॉस्पिटल आज अपने आप में एक मिसाल बन चुकी है। समिति द्वारा स्थापित विभिन्न शिक्षण संस्थानों के माध्यम द्वारा स्थापना से आज तक विद्यार्थियों ने क्वालिटी एज्युकेशन प्राप्त किया है।

राजस्थान सेवा समिति के लिये यह गौरव का विषय है कि यहाँ से शिक्षित अनगिनत विद्यार्थी विभिन्न संस्थाओं में उच्चतम पदों को सुशोभित कर रहे हैं। ऐसे महानुभाव आज भी समिति द्वारा प्राप्त संस्कार, शिक्षण और विभिन्न विशेषताओं के लिए हृदय से आभार की अभिव्यक्ति करते हैं।

नगर के जाने माने उद्योगपति, राज्य और केंद्र सरकार के उच्च पदों पर आसिन विशिष्ट अधिकारी, अलग अलग व्यवसायों में शिखर पर पहुंचे व्यापारी गण जब अपने अध्ययन काल को याद करते हैं तो वे बड़े स्नेह, आदर और सम्मान के साथ अपने सफल जीवन के नींव स्वरूप राजस्थान सेवा समिति का नाम अवश्य याद करते हैं।

आप सभी महानुभावों ने तन, मन और धन से समाज को बहुत कुछ अर्पण किया है। जिस समाज और जिस संस्थाओं से आपने बहुत कुछ पाया है, उनमें राजस्थान सेवा समिति हमेशा आपके दिल के करीब है और रहेगी।

जब भी पुराने विद्यार्थी शाला के पट्टागण में प्रवेश करते हैं, बहुत सी यादें तरोताजा हो जाती हैं। वो खुशी भरे दिन, तनाव मुक्त जीवन, खेलकूद के पल, टिफिन खोल कर मित्रों के साथ भोजन, आचार्यगण और गुरुजनों से श्रेष्ठ शिक्षण, चारित्र्य निर्माण के सुनहरे क्षण कभी भुलाये नहीं भूलते।

राजस्थान सेवा समिति अपने स्वर्णिम इतिहास के आधार पर कुछ नये आयाम स्थापित करने जा रही है। समिति द्वारा एक ऐसे भवन निर्माण का निर्णय लिया गया है जो न केवल अत्याधुनिक होगा, बल्कि भविष्य की आवश्यकताओं के अनुरूप विद्यार्थियों को बेहतरीन सुविधायें, स्मार्ट अध्ययन वर्ग और सम्पूर्ण शिक्षण के अवसर सालों सालों तक उपलब्ध करा सकेगा और प्रत्येक विद्यार्थी पर व्यक्तिगत रूप से ध्यान देने के हमारे लक्ष्यको वास्तविक रूप प्राप्त हो सकेगा।



सात मंजिल के इस भव्य भवन में शिक्षण की वर्तमान आवश्यकतायें तो पूर्ण होंगी ही, संस्था के इस नये सेवा संकुल में बहुत से नये विद्यार्थी भी आकर्षित होंगे जिन्हें श्रेष्ठतम शिक्षा के अतिरिक्त कई विविध प्रवृत्तियां करने का अवसर प्राप्त होगा।

स्नेही स्वजन, हमें आपके सहयोग की अपेक्षा है जिससे हमारा यह स्वप्न- "राजस्थान सेवा समिति - नयी ईमारत - नये आयाम" परिपूर्ण हो सके।

शिक्षा प्राप्ति - अर्थ उपार्जन - कृतज्ञता

राजस्थान सेवा समिति के संदर्भ में हमने जीवन के तीन पड़ाव पूरे किये हैं -

शिक्षा प्राप्ति - अर्थ उपार्जन - कृतज्ञता

**शिक्षा प्राप्ति:** अपने जीवन के प्रथम पड़ाव के उन अनमोल दिनों को हम कैसे भूल सकते हैं, जहां हमने अपने बचपन और किशोरावस्था के अमूल्य दिन व्यतीत किये। हमारे इसी विद्यालय में हमने श्रेष्ठ आचार्य और समर्थ गुरुजनों से जीवन निर्माण का प्रथम अध्याय पढ़ा। उन्होंने न केवल हमारा जीवन संवारा बल्कि कच्ची मिट्टी को सुन्दर घट के रूप में परिवर्तित कर हमारा व्यक्तित्व सृजन किया। वास्तव में हम हमारे विद्यालय, स्थापक, आचार्यगण और गुरुजनों के ऋण से कभी उद्धार नहीं हो सकते।

**अर्थ उपार्जन:** उसी अतुल्य शिक्षा के आधार पर ही हम धन कमाने और संचय करने में समर्थ हुए। अपने में हम आत्मविश्वास का सर्जन कर सके जिससे हमें धन, पद, प्रतिष्ठा प्राप्त करने का सुअवसर प्राप्त हुआ। व्यावसायिक विभिन्न क्षेत्रों में अनेक सीमा चिन्हों को पार किया और भविष्य की पीढ़ियों के लिये आधार स्थापित किया।

**कृतज्ञता:** अब समय है कि हम हमारी जीवन निर्मात्री संस्था के प्रति कृतज्ञता ज्ञापित करते हुए कुछ ठोस कार्य कर सकें। इसी कृतज्ञता के फल स्वरूप हमारे नए भवन के निर्माण में सहयोग प्रदान करें जिससे भविष्य में पढ़ने वाले विद्यार्थी

उच्चस्तरीय अध्ययन प्राप्त करे, जीवन के प्रत्येक क्षेत्र में सफलता प्राप्त करते हुए स्वयं बड़े आदमी बनें, विद्यालय का नाम भी रोशन कर सकें। शिक्षा और सेवा का यह सिलसिला अविरत, अटूट और निर्बाध चलता रहे।

हमारे संगठित प्रयासों से यह सेवा ज्योति हमेशा कायम रहे। आपके तन-मन-धन से सहयोग के लिये राजस्थान सेवा समिति आपसे निवेदन करती है।

#### नये भवन की प्रमुख विशेषताएं

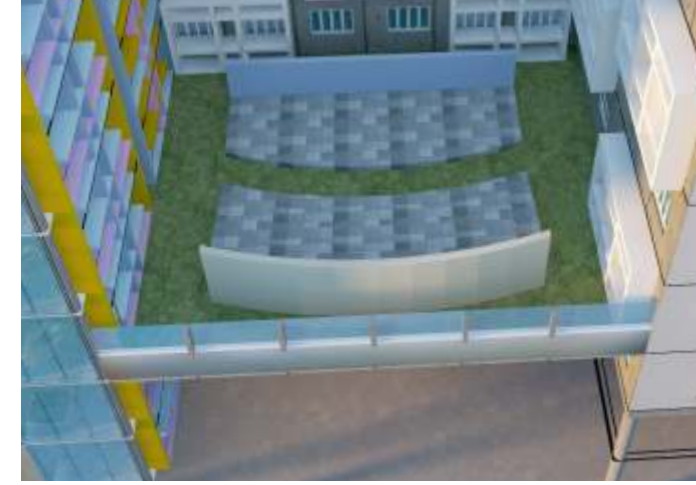
भवन के निर्माण कार्य के लिये प्रतिष्ठित इंजीनियर्स और आर्किटेक्ट्स को चुना गया है। इस भवन के आर्किटेक्ट्स के लिये "विस्तार आर्किटेक्ट्स एवं इंटीरियर डिजाइनर" का चयन किया गया है।

नए भवन में सात मंजिल के अलावा दो बेसमेंट बनेंगे। कुल 1,39,430 वर्ग फीट स्थान उपयोग के लिये उपलब्ध होगा।

#### नए भवन का बिल्ड अप एरिया

फ्लोर	फेज प्रथम (sq.ft.)	फेज द्वितीय (sq.ft.)
बेसमेंट 1	14,000.00	5,875.00
बेसमेंट 2	14,000.00	5,875.00
ग्राउंड फ्लोर	6,995.00	3,980.00
प्रथम, दूसरी और चौथी से आठवीं मंजिल	48,965.00	27,045.00
तीसरी मंजिल एवं एम्फी थिएटर	8,715.00	3980.00
कुल एरिया	92675.00	46,755.00
टोटल फेज 1&2	Total Sq.ft.	1,39,430.00

- विशाल और हवादार विद्यागृह से हर वर्ग में कम विद्यार्थी और हर विद्यार्थी पर अधिक ध्यान देने का हमारा लक्ष्य परिपूर्ण होगा।
- राजस्थान सेवा समिति विद्यासंकुल में अभी 3500 विद्यार्थी शिक्षा प्राप्त करते हैं। नये भवन के माध्यम से हम ज्यादा विद्यार्थियों को श्रेष्ठतम शिक्षा देने की व्यवस्था कर पायेंगे।
- शिक्षा का नया अभिगम जिसे "स्मार्ट क्लास रूम" कहते हैं वह नये भवन से संभव हो पायेगा।
- भवन के अंदर ही इंडोर स्पोर्ट्स कम्प्लेक्स बनाया जायेगा।
- भवन में ओपन एयर थिएटर की सुविधा भी होगी।
- आधुनिक सभागार बनेगा जिसमें अच्छी श्रवण-सुविधाएं (Acoustics) उपलब्ध कराई जायेगी।
- भवन के अंदर विद्यार्थियों को शिक्षा और सूचना माध्यम वाले चलचित्र दिखा पायेंगे।
- भवन में उच्च कोटि के दो पुस्तकालय बनाने का हमारा प्रावधान है।



- नये भवन में कॉन्फ्रेंस रूम और बोर्ड रूम भी होंगे जिससे न सिर्फ समिति के पदाधिकारी और ट्रस्टीज विचार विमर्श कर सकेंगे बल्कि हम अन्य विद्यालयों के साथ भी विविध प्रवृत्तियां कर सकेंगे।
- नए भवन में सुसज्जित प्रयोगशालाओं के अलावा ATL अर्थात् अटल टिकरिंग लेबोरेटरी भी तैयार की जायेंगी।
- संगीत की शिक्षा के लिये एक विशेष कक्ष बनाया जायेगा।
- नये भवन में एन.सी.सी रूम की सुविधा भी होंगी।
- विद्यासंकुल में आनेवाले सभी विद्यार्थी, अध्यापकगण, आगंतुक और अतिथियों के लिए अच्छी पार्किंग सुविधाएं उपलब्ध रहेंगी।

#### राजस्थान सेवा समिति - साल 1961 से मानवसेवा में प्रवृत्त

सचमुच राजस्थान सेवा समिति हमारी संस्था के मूल में ही मानवता, करुणता, कार्य क्षेत्र में श्रेष्ठता अभिगम, भविष्य के लिए दीर्घदृष्टि और बदलते वक्त के साथ बदलते रहने का रवैया कायम रहा है।

सन 1961 के मई माह में राजस्थान समिति का गठन हुआ और सोसाइटी रजिस्ट्रेशन एक्ट 1860 और मुंबई पब्लिक ट्रस्ट एक्ट 1950 के अंदर समिति का पंजीकरण हुआ।

वास्तविक रूप में राजस्थान सेवा समिति के लिए पसंद किये चित्रित सूत्र में ही संस्था के स्थापकों का नजरिया दिखाई देता है। वह चिन्ह है, "सेवा परमो धर्मा।"

#### 1961 से आज तक समिति की तीन अहम प्राथमिकताएं रही हैं: -

- आपत्तिकाल में मानवता के कार्य
- आरोग्य और चिकित्सा सेवाएं
- विद्या - अध्ययन को प्राथमिकता

साल 1961 से लेकर आज तक जब भी समाज के सामने मानव प्रेरित या फिर प्राकृतिक प्रकोप के परिणाम स्वरूप समस्या आई तब त्वरित गति और उदार

हृदय से राजस्थान सेवा समिति ने अपना श्रेष्ठतम योगदान, धनराशि और मानव संसाधन के द्वारा सहायता की है।

हमारे आरोग्य और चिकित्सा सेवाके अंतगत ही राजस्थान चिकित्सालय की स्थापना हुई और आज यह अग्रिम संस्था अपने आप में एक आयाम कायम कर चुकी है। न सिर्फ गुजरात और राजस्थान लेकिन पूरे भारतवर्ष से लोग चिकित्सा के लिये राजस्थान हॉस्पिटल्स में आते हैं और वहां उपलब्ध श्रेष्ठतम चिकित्सा सुविधाओं का लाभ उठाते हैं।

राजस्थान सेवा समिति का प्रमुख अभिगम, शिक्षण सुविधाओं को शुरू से आज तक काफी सराहा गया है। कई पीढ़ियों के विद्यार्थियों ने हमारे विद्यालय में अपनी शिक्षा प्राप्त की है और आज समाज के अनगिनत क्षेत्रों में सब ने काफी नाम और मान-सम्मान पाए हैं। हमारे बहुत से पूर्व विद्यार्थी आज राजस्थान सेवा समिति के संचालन में भी अपना शानदार योगदान दे रहे हैं।

सच तो यह है कि राजस्थान सेवा समिति एक ऐसी संस्था है जिसके विद्यालय में संस्था के ट्रस्टीज और स्थापकगण के बच्चों ने भी अपनी शिक्षा प्राप्त की है। हमारे विद्यालयों के उच्चतम शिक्षण का इससे अच्छा प्रमाण क्या हो सकता है?

"विश्वास और सच्चाई" पहले से हमारे आधारस्तम्भ बने रहे हैं।

इसी वजह से पांच दशक से भी ज्यादा समय से यह संस्था अपने आप में एक मिसाल बनी रही है। सन 1964 में पहली बार हमारे विद्यालय से बोर्ड की परीक्षा में पहली बार ही हमारे विद्यार्थियों ने पूरे गुजरात राज्य में द्वितीय अव्वल स्थान प्राप्त किया था।

#### राजस्थान सेवा समिति - अतीत और वर्तमान का सुभग संगम।

किसी भी संस्था जिस बात पर सब से ज्यादा गर्व अनुभव कर सकती है वह है उस संस्था का उतना ही सुसंगत वर्तमान में होना जितना सुसंगत वह संस्था अतीत में रही थी। राजस्थान सेवा समिति के लिए इस बात का प्रमाण है संस्था के स्थापक परिवारों के सदस्यों का समिति के साथ वर्तमान में भी उतना ही लगावा। 1961 में जब राजस्थान सेवा समिति की स्थापना हुई तब हमारे अध्यक्ष रहे थे श्री झाबरमलजी भोजनगरवाला। समिति के लिए यह गौरव की बात है कि उनके परिवार से श्री रमाकांतजी भोजनगरवाला और अन्य सदस्य समिति के कार्यों के साथ आज भी इतना ही जुड़े हुए हैं। वास्तव में ऐसे अनगिनत परिवार हैं और हमारे नए भवन में इन्हीं परिवारों से कई सदस्यों ने अपना योगदान देने के लिए भी अपनी स्वीकृति दी है। पीढ़ियां बदली हैं लेकिन राजस्थान सेवा समिति और इनके कार्य आज भी इतने ही सुसंगत हैं।



**एक अनमोल विरासत**

हमारे जिन महान पूर्व अध्यक्षों के अथक परिश्रम से आज राजस्थान सेवा समिति गौरवान्वित है उन्हें याद करना हमारा सौभाग्य है।

- |                             |                              |
|-----------------------------|------------------------------|
| 1) श्री झाबरमलजी भोजनगरवाला | 6) श्री बृजभूषणलालजी काबरा   |
| 2) श्री कृष्णजी अग्रवाल     | 7) श्री खीमराजजी जैन         |
| 3) श्री विजयनारायणजी सोमानी | 8) श्री गौतमकुमारजी जैन      |
| 4) श्री गोरधनदासजी गुप्ता   | 9) श्री श्यामसुन्दरजी रूंगटा |
| 5) श्री अशोककुमारजी डागा    |                              |

**हमारे वर्तमान ट्रस्टीज**

- |                          |                              |
|--------------------------|------------------------------|
| 1) श्री बाबुलालजी रूंगटा | 4) श्री रमाकांतजी भोजनगरवाला |
| 2) श्री खीमराजजी जैन     | 5) श्री गौतमजी मिठालालजी जैन |
| 3) श्री तेजकरणजी लूणिया  |                              |



**उज्ज्वल भविष्य के लिए प्रतिबद्ध राजस्थान सेवा समिति - हमारे वर्तमान पदाधिकारी**

- |                                    |   |
|------------------------------------|---|
| • श्री गणपतराजजी चौधरी, अध्यक्ष    | • श्री श्यामसुन्दरजी टिबड़ेवाल, मानद मंत्री |
| • श्री बाबुलालजी सेखानी, उपाध्यक्ष | • श्री राजेन्द्रकुमारजी बागरेचा, सहमंत्री   |
| • श्री भेरूलालजी चौपड़ा, उपाध्यक्ष | • श्री सम्पतजी दसानी, कोषाध्यक्ष            |

**श्री गणपतराजजी चौधरी, हमारे वर्तमान अध्यक्ष**

हमारे वर्तमान अध्यक्ष श्री गणपतराजजी चौधरी, राजस्थान सेवा समिति के पूर्व अध्यक्षगण की अनमोल उपलब्धियों का जिक्र करते हुए, बार बार कहते हैं कि समिति का अध्यक्ष होना उनके लिए एक गौरवपूर्ण पद से भी विशेष, मानो एक तपश्चर्या है। जिस समाज से हमने पाया है, उसी समाज के प्रति कुछ ठोस योगदान देने का शुभ अवसर है।

राजस्थान सेवा समिति की उज्ज्वल परम्परा को न केवल कायम रखने बल्कि ओर अधिक उज्ज्वल बनाने का दृढ़ निश्चय है। राजस्थान सेवा समिति नए भवन निर्माण करने जा रही है इसे वर्तमान अध्यक्ष श्री गणपतराजजी अपना सौभाग्य समझते हैं। उन्हें विश्वास है कि सभी ट्रस्टीज, पदाधिकारी, विभिन्न कमिटियों के कन्वीनर, आचार्यगण, शिक्षकगण और संस्था के सहयोगी, सच्चे हृदय से इस महत्वाकांक्षी कार्य में उनके साथ हैं।

**राजस्थान सेवा समिति - हमारी शैक्षणिक संस्थाएँ**

- राजस्थान हिंदी हाई स्कूल
- राजस्थान इंग्लिश हायर सेकेंडरी स्कूल (सेल्फ-फाईनान्स)
- ज्ञानोदय हिंदी प्राथमिक शाला
- ज्ञानोदय इंग्लिश माध्यम प्राथमिक शाला
- ज्ञानोदय शिशु मंदिर
- राजस्थान इंस्टिट्यूट ऑफ़ प्रोफेशनल स्टडीज

राजस्थान सेवा समिति ने शिक्षा से जुड़ी अपनी प्रवृत्ति का प्रारंभ सन 1962 में राजस्थान हिंदी हाई स्कूल की स्थापना से किया। शुरू से संस्था के लिए एक बात स्पष्ट रही कि संस्था के लिए श्रेष्ठ आचार्य और अध्यापकगण नियुक्त करने हैं फल स्वरूप पहले वर्ष से ही हमारे विद्यार्थी विभिन्न कसौटियों में शानदार प्रदर्शन करते आये हैं और यह सिलसिला आज पचपन साल के बाद भी जारी है।

हमें अत्यंत गौरव है कि सन 2017 के लिए "जिल्ला शिक्षण अधिकारी श्री" ने "राजस्थान हिंदी हाई स्कूल" को पूरे अहदाबाद जिले की प्रथम दस शालाओं में से एक शाला घोषित किया है। इतने लम्बे समय की अवधि में हमारे अनगिनत विद्यार्थियों ने मेडिकल, डेंटल, इंजीनियरिंग, IIT जैसे अभ्यास के लिए प्रवेश प्राप्त किया है। पूर्व में हमें "जिल्ला शिक्षण अधिकारी", "गुजरात शिक्षण बोर्ड", "नेशनल कैडेट कॉर्प्स", जैसी कई संस्थाओं की ओर से अविरत सराहना मिलती रही है।

राजस्थान सेवा समिति भली भांति जानती है कि बच्चे मानो कच्ची मिट्टी के पिंड हैं और उन्हें एक बेहतररीन ढांचे में ढालना, उन्हें सच्चाई, उदारता, सहिष्णुता, निरपेक्षता, जीवन के प्रति उत्साह और समाज के लिए कुछ कर गुजरने की सोच देना, हमारे विद्यालय का प्रथम कर्तव्य है।

राजस्थान सेवा समिति की हमेशा प्राथमिकता रही है कि हर बच्चे का सर्वांगीण विकास होना चाहिए। इसी वजह से हमारे विद्यालय में शिक्षण के अलावा विज्ञान, कला, चित्रकारी, संगीत, वक्तृत्व, नेतृत्व जैसे अनगिनत विषयों की ओर बच्चों को आकर्षित करना हमारा लक्ष्य रहा है।

**आइए साथ मिलके नयी ईमारत से नए आयाम कायम करें**

राजस्थान सेवा समिति के नये अत्याधुनिक भवन के लिए आवश्यक धनराशि के लिए आप सब हमारे सहयोगी, साथी, सहपाठी, राजस्थान से आकर गुजरात की धरती को जिन्होंने अपनी कर्मभूमि बनाया है, ऐसे कर्मठ और उदार व्यक्ति अवश्य हमें अपना सहयोग देंगे और यह कार्य परिपूर्ण होगा।

आप सब को हम बताना चाहते हैं कि हमारा स्वप्न एक अत्याधुनिक विद्यालय भवन निर्माण का है जिसके लिये हमें करीबन Rs.25 करोड़ से अधिक धनराशि की आवश्यकता रहेगी। हमारा यह लक्ष्य है कि इस भवन के निर्माण के प्रति हम किसी भी तरह का समाधान न करे और इस नये भवन से हमारी राजस्थान सेवा समिति की प्रतिष्ठा और भी संगीन बने।

इसी बात को ध्यान में रख कर हम PLATINUM, GOLD और SILVER डोनर लेना चाहते हैं जिन सब के नाम हम नये भवन में यथायोग्य तरीके से सुवर्ण

अक्षर में GRANITE STONE पर कायमी रूप से प्रदर्शित रखेंगे। इस सेवा के शुभ कार्य के लिए आप से खास अनुमोदन है कि आप PLATINUM, GOLD या फिर SILVER डोनर अवश्य बने जिसकी विगत निम्नलिखित है।

**PLATINUM DONOR CONTRIBUTION**  
Rs.31 लाख.

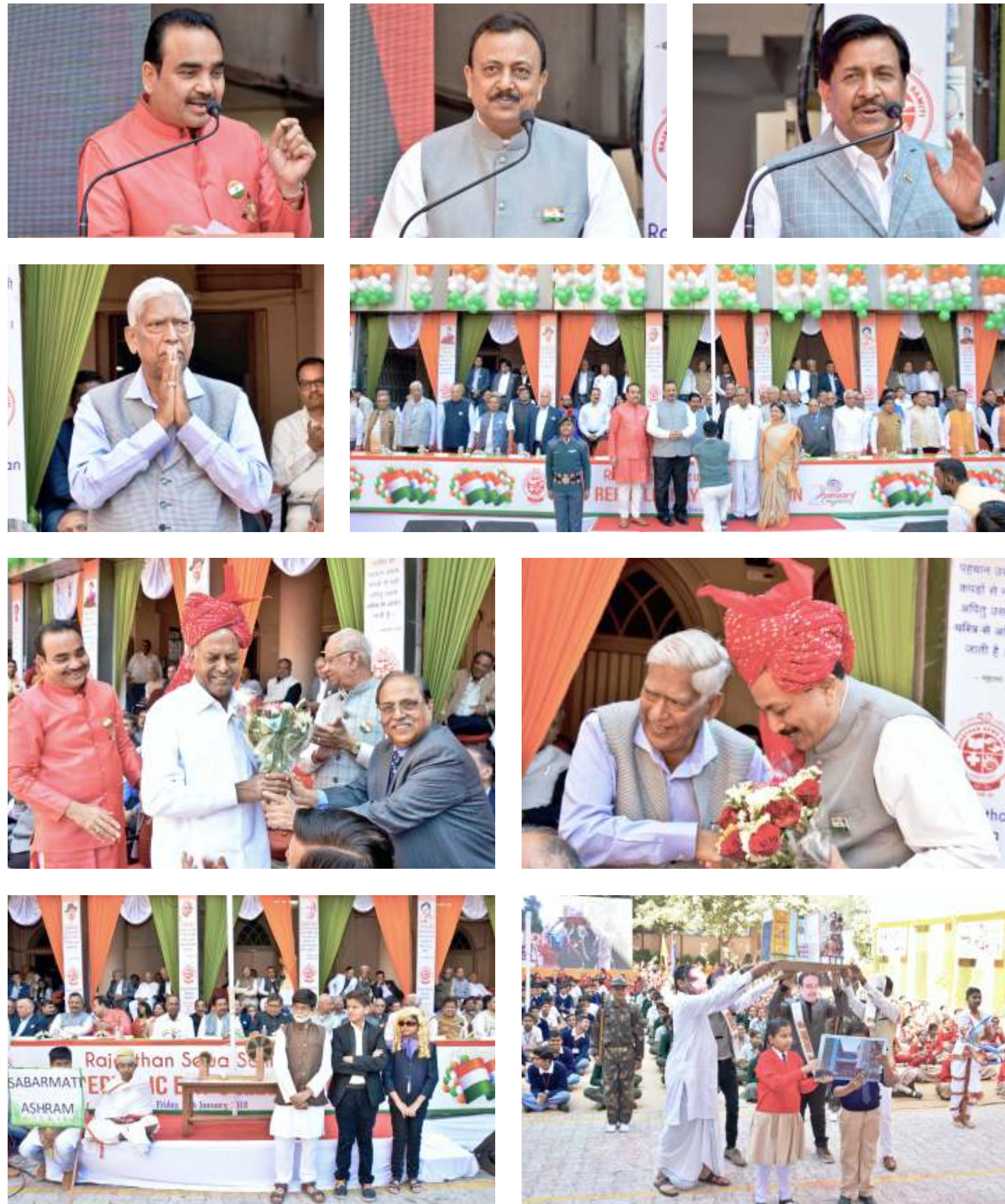
**GOLD DONOR CONTRIBUTION**  
Rs.21 लाख.

**SILVER DONOR CONTRIBUTION**  
Rs.11 लाख.

राजस्थान सेवा समिति को दिए गए दान की राशि आयकर अधिनियम, 1961, सेक्शन 80G के अंतर्गत राहतपात्र है।



REPUBLIC DAY CELEBRATIONS



*With Best Compliments...*

**SAFE & SECURE  
HOUSE WIRES  
FOR INDIA**

**AVOCAB**  
NOW AVAILABLE ACROSS INDIA

Since 1986

ISO 9001 ISO 14001 CE RoHS

**AVOCAB**  
by CHANDRESH CABLES LTD

Offices at : Ahmedabad | Mumbai | Delhi | Bengaluru | Chennai | Surat | Baroda  
sales@avocab.com | www.avocab.com



राजस्थान सेवा समिति ने हमारे भारतवर्ष का 69 वाँ गणतंत्र दिवस समारोह हमारी समिति के शाहीबाग स्थित प्रांगण में दिनांक 26 जनवरी 2018 को बड़े ही हर्षोल्लास के साथ मनाया।

कार्यक्रम के अतिथि विशेष के रूप में 'चैयरमेन ऑफ साल ग्रुप कम्पनीज' श्री राजेन्द्रभाई शाह और चैयरमेन अग्रवाल आर्गेनाइजेशन तथा सिटी गोल्ड एंटरटेनमेंट लिमिटेड के श्री चिमनलालजी अग्रवाल उपस्थित रहे। कार्यक्रम का शुभारंभ वन्देमातरम्, झंडागीत, ध्वजारोहण एवं मार्चपास्ट द्वारा किया गया। अतिथि विशेष श्री राजेन्द्रभाई शाह एवं श्री चिमनलालजी अग्रवाल के करकमलों द्वारा ध्वजारोहण कर राष्ट्र को सलामी दी गई। मार्चपास्ट, जीवन-विज्ञान, ध्यान-योग तथा सांस्कृतिक कार्यक्रम की रंगारंग प्रस्तुति विद्यार्थियों द्वारा की गई।

राजस्थान सेवा समिति के अध्यक्ष श्री गणपतराज चौधरी के द्वारा प्रोत्साहन उदबोधन दिया गया। उन्होंने विद्यार्थियों के सुनहरे भविष्य की कामना करते हुए, समिति के नये आठ मंजिल के भवन के निर्माण की संकल्पना प्रस्तुत की। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि समिति का नया भवन हमारे विद्यार्थियों को सर्वश्रेष्ठ सुविधाएं देने की हमारी मनोकामना पूर्ण करेगा। उन्होंने विद्यालय के पुनः निर्माण के सेवा यज्ञ को फलीभूत करनेवाले दान-दाताओं के प्रति कृतज्ञता ज्ञापित की।

अध्यक्ष श्री गणपतराज चौधरी ने अतिथि विशेष का स्वागत करते हुए बताया कि जैसे ही हमारे दोनों अतिथिविशेष महानुभावों ने नए भवन के हमारे दान-दाताओं की सूचि देखी तो दोनों अतिथिविशेष श्री राजेन्द्रभाई शाह एवं श्री चिमनलालजी अग्रवाल ने भी अपने परिवार की ओरसे इस शुभ कार्य के लिये दान देने की घोषणा की। अध्यक्ष श्री ने दोनों महानुभावों के प्रति समिति की ओर से अपना आभार प्रदर्शित किया।

उपस्थित सभी पदाधिकारी गणों ने इस कार्य की सराहना की। आर्किटेक्ट श्री पियूष दागा ने नई बिल्डिंग का PPT प्रेजेंटेशन प्रस्तुत किया।

कार्यक्रम के अतिथि विशेष श्री राजेन्द्रभाई शाह ने बच्चों को प्रोत्साहित करते हुए, गणतंत्र दिवस की शुभकामनाओं के साथ विद्यालय पुनः निर्माण के कार्य की और राजस्थान सेवा समिति द्वारा किये जा रहे कार्यों की काफी प्रशंसा की।

राजस्थान हिंदी हाईस्कूल कमीटी के कन्वीनर श्री भेरूलालजी जैन ने अपने कार्यभार, विद्यालय की गतिविधियां एवं गणतंत्र दिवस समारोह के बारे में ब्यौरा दिया।

राजस्थान सेवा समिति के मानद मंत्री श्री श्यामजी टिबड़ेवाल द्वारा संक्षिप्त किन्तु समग्रता को संजोए हुए आभार दर्शन किया गया। अंत में समिति के पदाधिकारी गण, आचार्य एवं शिक्षकों के द्वारा विद्यार्थियों को फूड पेकेट का वितरण किया गया।

इस कार्यक्रम का सफल संचालन राजस्थान सेवा समिति कार्यकारिणी के सदस्य श्री राजीवजी छाजेड़ तथा विद्यालय की शिक्षिका श्रीमति नीतू शुक्ला एवं श्रीमति ध्वनि पंड्या द्वारा किया गया। अंत में सभी उपस्थित महानुभावों, समिति के पदाधिकारीगण, सदस्यगण, आचार्य एवं शिक्षक गण भोजन समारंभ में शामिल हुए।

डॉ. ममता यादव  
राजस्थान हिन्दी हायर सेकण्डरी स्कूल

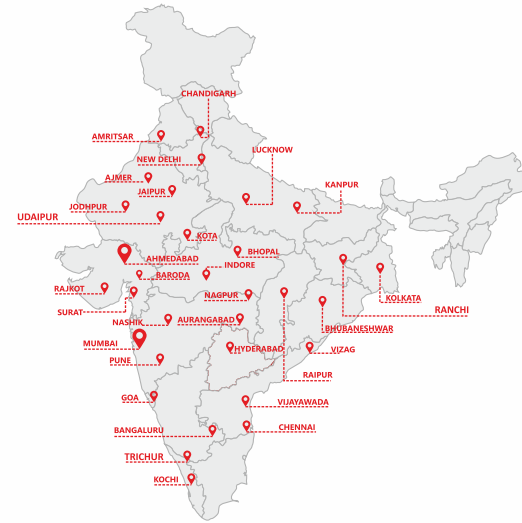
# POWERING AMBIENT MEDIA

for the Indian Advertising & Marketing Industry, since 2005.

Servicing  
**2000+**  
esteemed clientele

Across  
**33 cities**  
in India

9000+ Cinema Screens | 350+ Malls | 700+ Coffee Shops  
25+ Airports | 352+ QSRs | 250+ Gyms | 600+ Hypermarkets



If it's ambient, it's

**khushi**  
ambient media solutions

To advertise or partner,  
E-mail : [inquiry@khushiadvertising.com](mailto:inquiry@khushiadvertising.com)

[www.khushiadvertising.com](http://www.khushiadvertising.com)



Leading Ambient Media Agency | 33 Cities | 220+ Professionals | 350+ Leading Brands

It is rightly said that each one of us is the architect of his own future. How to shape our future is in our hand. In the memorable book, "Once an Eagle", the main character Sam Damon tells this to his son, "You can't help when or what you were born, you may not be able to help how you die; but you can – and you should – try to pass the days between as a good man." Naturally it is beyond each one of us to decide the circumstances or time when or where we should have been born and similarly to what death our destiny would lead is also unknown. What is however in our hand is to shape the time in between.

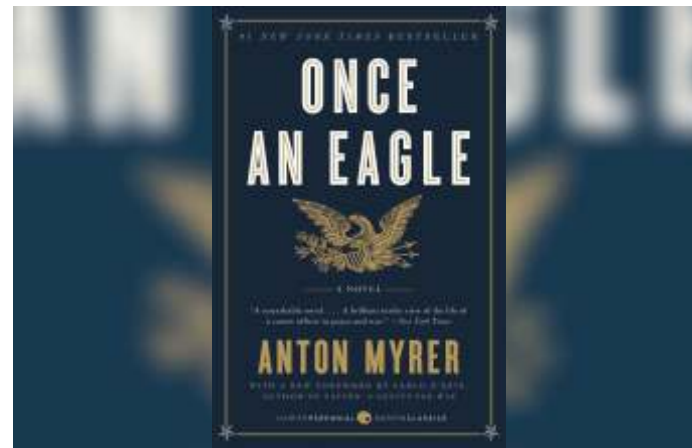
As it is rightly said we cannot change the cards we have been dealt in life, but it is up to us how to play the hand, how to make the best use of our given circumstances.

I am reminded of that famous poem of Robert Frost, "Two roads diverged in a yellow wood and I took the one less travelled by and that has made all the difference." In every situation, every moment, every day of your life, you will find two roads in front of you and it will depend upon your wisdom which way to choose and it will be your decision that will shape your future.

As Stephen Covey has said, "Between the stimulus and our response to it, there is a space. In that space lies our freedom and power to choose our response. In our response lies our growth and our happiness."

When we talk about "Shaping Tomorrow", it is important to keep in mind that the most perishable commodity in the world is "Time". Every moment we waste in "indecision" is the moment wasted. So if we already know what is the right way we need to take in life for our own good, for the good of our family & also for the good of community, we must begin the journey in that direction "Right Now, in this very moment, because TOMORROW BEGINS TODAY". As it is rightly said, "A journey of a thousand miles begins with a single step."

The words of Martin Luther King are very appropriate to note in this regard, "We are faced with the fact that Tomorrow is Today. We are confronted with the fierce urgency of now. In this unfolding conundrum of life and history there is such a thing as being too late. Life often leaves us standing bare, naked and dejected



with a lost opportunity. Procrastination is still the thief of time. The tide in the affairs of man doesn't remain at the flood. It ebbs. We may cry out desperately for time to pause in her passage, but time is too adamant to all such pleas and rushes on. Upon the bleached bones and jumbled residues of many a lost civilizations are written the pathetic words, "TOO LATE".

So "Shaping Tomorrow" begins "Today" and if we don't start right now, two words that will stare in our face would be "TOO LATE".

While "Shaping Our Tomorrow", we must stick to certain "Core Human Values" and never to compromise with them. These core values like, TRUTH, NON-VIOLENCE, NOT STEALING, FORGIVENESS, FORTITUDE, COMPASSION, SINCERITY, MEASURED DIET, CLEANLINESS etc. Observing these values, it may take us a little longer time to reach our destination, but we will reach there with clear conscience. Following these time tested principles will ensure us a good night's sleep, because our conscience will be clear.

So if we decide this moment to "Shape Tomorrow Today", what immediate actions need we take? First and foremost is to surround your-self with virtuous people who would help you become a better human being.

Second thing is to create a "Big Picture" in your mind, "The Big Picture of your Tomorrow". Where you intend to be 10-15-20 years down the line. And you must remind yourself of this big picture on a regular basis so that you do not deviate from the path.

Once you create such Big Picture in mind, you should always review every day whether your actions are in harmony with this big picture and how many steps you have already taken in that direction.

It is important to develop within your mind, heart and soul the conviction that "You will surely realize the Big Picture that you have drawn in your mind. Because this sense of surety & certainty will generate within you, a great feeling of confidence and then you will not be discouraged by minor road-blocks & hurdles which may come in your path.

You must keep it in mind, that Life is never a cakewalk. We all function within a system where there a hundred things upon which we have no control. However one thing upon which we have full control is our reaction to those hundred things. To "Shape Our Tomorrow" as we have desired it to be, we will have to master the art of translating every adversity into an opportunity. Each failure would teach you a lesson what actions not to be taken and it will also enable you to take corrective measures.

Talking about "Shaping Tomorrow Today", I remember great industrial tycoon "Andrew Carnegie", the creator of "Rail Roads" in the United States of America. Renowned American University, "Carnegie Mellon" carries his name & his legacy. Carnegie's philosophy in life was "It is disgrace to die Rich". This philosophy carried within it, two messages. First you must become Rich, because unless you are Rich you just can't contribute. Second, you must utilize the immense wealth that you create for the welfare of the community at large, by giving back to the community, by making the world a better place to live.



When you will reach the pinnacle of success in your life, not only will you have deep sense of satisfaction having shaped your future the way you wanted, but more importantly your success & wealth, your station in life & your fame, the credibility you have earned, will enable you to "CONTRIBUTE" yourself and convince others to "CONTRIBUTE", because your message/appeal will carry weight. You must keep in mind that greater pleasure lies in "Contributing" than in "Receiving".

In my personal growth in life & efforts to shape future, one thing that has always helped me is commitment to allot some time to my-self for "Introspection". It enables us to review our own actions. It helps us to do the course correction. It offers us the peace of mind, that you can never get in the midst of people. It is what you can call, "ME TIME". You can also call such time, the "Nurturance of your Soul". While the food that you eat nurture your body, it is equally important that you nurture your soul on a regular basis by giving time to yourself, by sitting in peace, by meditating. It will help you "Shape Tomorrow Today".

George Orwell has rightly said, "To see what is in front of one's nose needs a constant struggle." We are constantly surrounded by people, most of whom share with us only those things that we want to listen. It, therefore, becomes difficult to understand & appreciate the true realities of your life, the right or wrong of your course of action and the status of your progress. However your "Me Time", will enable you to see what is in front of your nose, what are the actual realities, what are your strengths and weaknesses and then to make best use of them. ONE OPINION WE ALL MUST ALWAYS SEEK AND LISTEN IS THE OPINION OUR CONSCIENCE GIVES TO US WHEN WE SIT ALONE AND LISTEN TO IT. UNFORTUNATELY WE TRY TO REASON WITH OUR CONSCIENCE AND THUS SUPPRESS HER VOICE.

One writer has very rightly said, "We SHAPE TOMORROW by how we navigate our parallel potentialities for "Moral Ruin" & "Moral Redemption" TODAY. Your TODAY has two parallel paths ahead of you. One will lead you to your MORAL RUIN. One will lead you to your MORAL REDEMPTION. It is for us to choose what path to take and our decision will "SHAPE OUR TOMORROW TODAY".

**Ganpatraj Chowdhary**  
President

Two books that we recommend our students to read and if possible to have them in their personal home library are: 1) *The Fountainhead* & 2) *Atlas Shrugged*. Both these books are penned by Ayn Rand.

Ayn Rand was a Russian-American novelist as well as a philosopher.

Both these books became so popular that now there are whole communities & clubs promoting Ayn Rand Philosophy. Ayn Rand supports rational & ethical egoism and rejects altruism.

Let's us try to understand what is her philosophy.

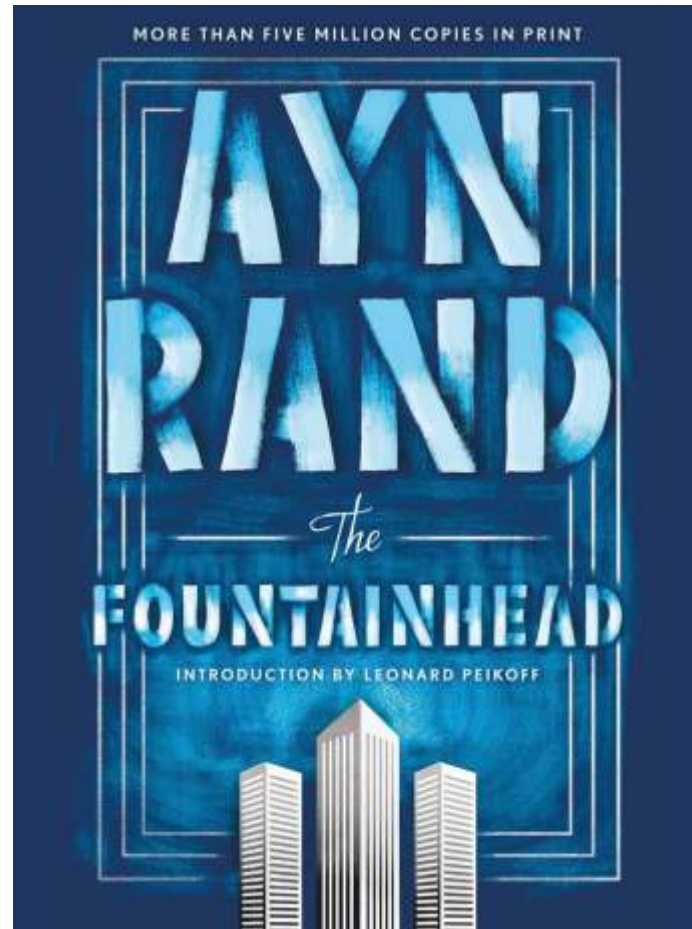
Altruism means our attitude of caring for others even at the cost & price of our own well-being while Rational & Ethical Egoism promotes the concept of our own progress in life by rational means. **Ayn Rand believes that if each individual is allowed to rise to his highest possibility then ultimately such individual growth will benefit the society as a whole.**

Ayn Rand was in support of capitalism, because she believed that capitalism allows equal opportunity to everyone to grow up to their best possibilities and thus it is opposed to the concept of collectivism.

Rand's first major success as a writer came in 1943 with *The Fountainhead*, a romantic and philosophical novel that she wrote over a period of seven years. The novel centers on an uncompromising young architect named Howard Roark and his struggle against "second-handers"—those who attempt to live through others, placing others above themselves.

*The Fountainhead* became a worldwide success, bringing Rand fame and financial security. In 1943, Rand sold the rights for a film version to Warner Bros., and she returned to Hollywood to write the screenplay. Finishing her work on that screenplay, she was hired by producer Hal Wallis as a screenwriter and script-doctor. Rand extended her involvement with free-market and anti-communist activism while working in Hollywood.

In the years following the publication of *The Fountainhead*, Rand received numerous letters from readers, some of whom the book profoundly influenced.



*Atlas Shrugged*, published in 1957 achieved even greater success than *The Fountainhead*. Rand described the theme of the novel as "**The role of the mind in man's existence—and, as a corollary, the demonstration of a new moral philosophy: the morality of rational self-interest**". It advocates the core tenets of Rand's philosophy of Objectivism and expresses her concept of human achievement.

The plot involves a society in which the most creative industrialists, scientists, and artists respond to a welfare state government by going on strike and retreating to a mountainous hideaway where they build an independent free economy. The novel's hero and leader of the strike, John Galt, describes the strike as "stopping the motor of the world" by withdrawing the minds of the individuals most contributing to the nation's wealth and achievement. With this fictional strike, Rand intended to illustrate that without the efforts of the rational and productive, the economy would collapse and society would fall apart.

**Atlas Shrugged became an international bestseller.**

And now some gems from these two novels.

- 1) *The Fountainhead*
- 2) *Atlas Shrugged*

“But you see,” said Roark quietly, “I have, let’s say, sixty years to live. Most of that time will be spent working. I’ve chosen the work I want to do. If I find no joy in it, then I’m only condemning myself to sixty years of torture. And I can find the joy only if I do my work in the best way possible to me. But the best is a matter of standards—and I set my own standards. I inherit nothing. I stand at the end of no tradition. I may, perhaps, stand at the beginning of one.”

- Ayn Rand, *The Fountainhead*

“Man cannot survive except through his mind. He comes on earth unarmed. His brain is his only weapon. Animals obtain food by force. man had no claws, no fangs, no horns, no great strength of muscle. He must plant his food or hunt it. To plant, he needs a process of thought. To hunt, he needs weapons, and to make weapons - a process of thought. From this simplest necessity to the highest religious abstraction, from the wheel to the skyscraper, everything we are and we have comes from a single attribute of man -the function of his reasoning mind.”

- Ayn Rand, *The Fountainhead*

“It’s easy to run to others. It’s so hard to stand on one’s own record. You can fake virtue for an audience. You can’t fake it in your own eyes. Your ego is your strictest judge. It’s easier to donate a few thousand to charity and think oneself noble than to base self-respect on personal standards of personal achievement. It’s simple to seek substitutes for competence--such easy substitutes: love, charm, kindness, charity. But there is no substitute for competence.”

- Ayn Rand, *The Fountainhead*

“Throughout the centuries there were men who took first steps down new roads armed with nothing but their own vision. Their goals differed, but they all had this in common: that the step was first, the road new, the vision unborrowed, and the response they received — hatred. The great

creators — the thinkers, the artists, the scientists, the inventors — stood alone against the men of their time. Every great new thought was opposed. Every great new invention was denounced. The first motor was considered foolish. The airplane was considered impossible. The power loom was considered vicious. Anesthesia was considered sinful. But the men of unborrowed vision went ahead. They fought, they suffered and they paid. But they won.”

- Ayn Rand, *The Fountainhead*

“Do not let your fire go out, spark by irreplaceable spark in the hopeless swamps of the not-quite, the not-yet, and the not-at-all. Do not let the hero in your soul perish in lonely frustration for the life you deserved and have never been able to reach. The world you desire can be won. It exists.. it is real.. it is possible.. it’s yours.”

- Ayn Rand, *Atlas Shrugged*

“If you don't know, the thing to do is not to get scared, but to learn.”

- Ayn Rand, *Atlas Shrugged*

“If you saw Atlas, the giant who holds the world on his shoulders, if you saw that he stood, blood running down his chest, his knees buckling, his arms trembling but still trying to hold the world aloft with the last of his strength, and the greater his effort the heavier the world bore down upon his shoulders - What would you tell him?”

I...don't know. What...could he do? What would you tell him?”

To shrug.”

- Ayn Rand, *Atlas Shrugged*

“Devotion to the truth is the hallmark of morality; there is no greater, nobler, more heroic form of devotion than the act of a man who assumes the responsibility of thinking.”

- Ayn Rand, *Atlas Shrugged*





DR. SHAILAJA NAIR  
Rajasthan Hindi High School

Instead of wallowing in defeat, they learn to rejoice in loss. The waves of life will wash away our efforts and their results.

Nevertheless we must try harder.

Our attitude to life should remain positive. Only then can we succeed.

## STAY COOL & FACE THE WORLD

Castles built on sand by children, who are playing, are often washed away by the sea waves. The children watch with glee and squeal in joy this happening repeatedly.



SUNITA THAKUR  
Gyanodaya School - Noon Shift

encourages all students to participate in a variety of co-curricular activity from dance, music and drama to a variety of sport to social work to environmental conservation activity. It is important for a child to explore and find their strengths in order to reach their true potential. Whether a child is an introvert or extrovert personality, the aim is to nurture the child into a self-confident individual.

As I walk down the hallways of the school everyday, I can hear the chatter of eager minds, the shouts of excitement from the victorious athletes, the thump of dancer feet and the sound of melodious voices harmonizing. The perpetual energy, movement and enthusiasm permeate the atmosphere at GYANODAYA ENG PRI. SC. We are a school with a difference! We value individualism, creativity and strive to nurture them in our students.

As a school we think about how to engage students and hold their attention. If a lesson is to be productive, how do we make sure the students actually absorb the topic? With this constant question in our mind we continuously upgrade our teaching tools and techniques as well as our academic programmes. In a technology prevalent world today, we appeal to young minds by incorporating smart boards, tablet computers and mobile devices into the teaching-learning process.

Our motto "Spread the Light" is at the heart of everything we do at the school. We aim to not just impart knowledge to the students, but also to inculcate in them-wisdom, compassion and a humanitarian spirit. We have a multi-cultural student population; hence we teach children the importance of tolerance and respecting each other's culture. Discipline, value and integrity are the very foundation of this school.

Our mission is to continue to do what we have always done: develop this school and the students with integrity and values also, to give our students the best opportunities and the best all-round education. Our vision is to produce conscientious, smart and confident citizens of India who will go out into the world and make us proud!

Besides rigorous scholastic programmes, we seek to develop and nurture the different of a child. The school



MRS. JAYSHREE KARIKKAN  
Gyanodaya English Medium  
Primary School and Shishu Mandir

It was great pleasure for us to meet Mrs Jayshree Karikkan, Principal, Gyanodaya English Medium Primary School & Shishu Mandir.

She still cherish the day, 22nd June, 1992 when she joined the school as an Assistant Teacher and since then she has never looked back.

She attributes the credit for her becoming the Principal to the management which identified her abilities & talents and elevated her to the post of Principal in June 2012. In fact she proudly takes this as recognition of her two decades' contribution to the school.

When asked about her academic journey, she remarked that she would like to put her academic journey in two phases, the learning phase and the teaching phase. Born and brought up in Gujarat, she completed her schooling from The Lourdes Convent School, Surat and earned her degree from the South Gujarat University. She particularly feels proud to have completed her B.Ed. from H M Patel Institute of English Training & Research, Vallabh Vidyanagar, Anand.

Her teaching phase began at Surat and after marriage she relocated to Ahmedabad paving the way for her joining in this great Institution.

Remarking about her experience with Rajasthan Sewa Samiti and its educational initiative she mentioned that after 25 long years, with lots of very good people, she feels lucky to have had such a wonderful group of talented teachers and other staff members. Being the Principal, her interaction with the Trust and the dignitaries of Rajasthan Sewa Samiti always gives her the feeling of associating with wonderful people who take keen interest and devote their precious time in managing the affairs of the School. That's exactly the reason why this Institution is one of the leading

schools in this part of the City. Introduction of Smart Classes, CCTV etc. has been the result of their commitment to adapt to modern technologies and upgrade infrastructure. To further take forward at a greater pace, the whole School is now in the process of being re-built in spite of the fact that it will involve huge investment, drastic decisions and serious planning.

Students of these days are technology-driven and, therefore, guiding them to strike a balance is of utmost importance. In a couple of years India is poised to be the world's youngest country with 64 per cent of its youth population. This means there will be plenty of young and educated workforce available, which will bring its own inherent competition. Therefore, we need to train them to make the competition healthy and prepare them to compete with an additional edge over others so that they can succeed in life.

Mrs Jayshree Karikkan further remarked that education in India is changing at a very fast pace on many fronts such as procedural, curriculum, centralization, universalization etc. Efforts are being made to streamline education based on national curriculum framework. India is a vast country and with its all diversities - linguistic, cultural and religious- it is not an easy task and there is no magic wand. All systems have their pros and cons.

**After all education is the soul of the society as it helps mould its citizens and, therefore, it should be available, accessible and affordable to all.**

RAVINDRASINH KACHCHHAVA  
Rajasthan English  
Higher Secondary School



Over the years Principal Shri Ravindrasinh Kachchhava has demonstrated exemplary devotion towards the educational initiatives of Rajasthan Sewa Samiti. It was a matter of great pleasure meeting him. He joined Rajasthan English Higher Secondary School as a chemistry teacher on June 15th, 2000 and philosophically mentioned during the interview that he feels proud to be pebble in the vast monument of the Rajasthan English Hr. Sec. School which has proved a mile stone in his successful career.

In November 2009 Mr. Kachchhava was conferred with one of the challenging responsibilities of being the Principal. He credits it to the efficient guidance of the esteemed management that he has performed satisfactorily up to the expectations of his superiors.

Here is a man who can be truly called, "Academic Attitude Personified". Academics for him is a lifelong learning. It is a journey from cradle to grave. Every day new experiences have kept on adding to his repertory of knowledge. To become perfect in academics, he has been always looking forward to learn and share new arenas of Science. In fact, he has been continuously exploring new fields of motivation for the sake of the students of Rajasthan English Higher Secondary School.

Shri Ravindrasinh Kachchhava has been full of praise for Rajasthan Sewa Samiti. In his own words, Rajasthan Sewa Samiti has always proved to be a bench mark for his success. Management of Rajasthan School has always stood as a big support and he has acquired guidance especially in times of acute needs. He fondly mentions that as a Principal he has acquired many skills with the help of the esteemed management.

As a teacher and then as a Principal he has seen students of average to excellent categories. Motivating students towards Science, bringing the best out of

them and making the students perfect learners has been his continuous effort. In his career here he has seen many excellent students and also those who rose from average to great heights.

He fondly cherish some memorable anecdotes.

One of the incidents when his heart was overwhelmed with joy when Srujal Jain of Biology section secured 1st rank in 2017 Gujarat Board examination with 99.99 percentile and made our Self-Financed, Science Stream section proud. She is now pursuing MBBS and has added a feather to our cap.

**He also fondly remember meeting Dr.Arpan Chawla the topper of first batch (2002) in his recent visit to Canada. Dr. Chawla recognized Shri Kachchhava in a crowd and expressed his heart felt gratitude to Rajasthan Sewa Samiti management, teachers and school for his successful life. He remembered Rajasthan School as a foundation stone in building his career.**

Shri Kachchhava remarks that a number of Rajasthan School Pass outs are well placed professionals as renowned doctors, engineers, and architects etc. working in reputed areas of India and abroad.

Shri Kachchhava further mentioned that there are big trends in the field of education which India can achieve in near future. It will reach great heights if we continue to impart overall education of mind, body and soul to our students. India's best school education will lead to an excellent destination in academics, Science & Technology and other spheres of development.

**Shri Kachchhava believes that in order to become a wonderful educator we should practice what we preach and imbibe in our personality moral values, truthfulness, punctuality, and passion for our teaching vocation embedded with compassion for our students. Only then we will reign in the hearts of our students forever.**

# ONE STOP SOLUTION

FOR ALL YOUR BRANDING NEEDS

OUTDOOR SOLUTIONS  
PRINT MEDIA  
ONLINE MARKETING  
MEDIA STRATEGY+ BUYING  
RELEASING AGENCY  
LED WALLS



THE MEDIA CAFÉ

Your Brand Refresher

A- 410/411 Shilp Aaron, Sindhubhavan Road, Bodakdev, Ahmedabad, Gujarat-380054  
M. 98796 48884 | T. 079-29700888 | E. Navya@themediacafe.in | W. themediacafe.in

Have you ever heard the following saying?

There are three types of people in the world: those who make things happen, those who watch things happen and those who wonder what happened.

Most people fall into the second or third categories. They wish their circumstances would change, but they don't take any steps to improve them.

The few that fall into the first category don't hope or wish for a better life. They choose to create it.

Which of the three groups do you fall in?

### IT'S ENTIRELY WITHIN YOUR CONTROL

You control the quality of your life. You can get better results by becoming better so you can do better.

If you want to earn a lot more money, you can become the kind of person who serves countless others and becomes indispensable in their job. Your work can solve pressing problems, improve people's lives, and get noticed by influential people.

When you take control and do those kinds of things, you become wealthy. You become a millionaire or a multimillionaire.

### HERE ARE 7 WAYS TO DO IT:

#### 1. SPEND AT LEAST 1 HOUR A DAY LEARNING

Most people work merely to collect a pay check. They give their time, but they don't put in the effort to do their best work. Then, they wonder why they don't get a big raise.



However, the world's most successful people strive to be and get better. They are passionate learners who want to make the most of themselves and a difference in the world. And it shows in the quality of their work. The benefits you'll gain from reading and developing your mind each day are immeasurable. Not only will you earn significantly more money, but every aspect of your life will improve.

#### 2. INVEST IN YOURSELF

When we don't pay for something, we may start it, but we rarely finish it. However, when we have some skin in the game, we are far more likely to take it seriously and follow through.



If you are serious about becoming the type of person who makes things happen, make investing in yourself one of your top priorities. There's usually a correlation between people's level of success and the amount they've spent on their education.

If the idea of investing in yourself scares you, look at it this way...

Unlike other investments, investing in your-self always pays off. For every dollar you spend on your education, growth, and skills, you'll likely get at least 100 dollars back in return.

#### 3. BECOME AN EXPERT

If you want to become wealthy, take a serious look at the industry you work in and determine how much you think it will grow over the next ten years.

If you can see no limit to the industry's growth, then it's reasonable to say there's no limit to your opportunity for growth within your industry in that same time frame.

An expanding, dynamic industry not only needs but seeks the extraordinary person to share in its growth, and will richly reward the person of vision and action – a person who is committed to producing excellent work.

There are people in your industry right now who are writing their own ticket. You can become one of them by taking time every day to think of how you can put more into your job, how to be more creative, and how to provide exceptional service.

Test this idea by doing it for the next ninety days. You'll be amazed at the difference it will make for you.

Then, if you continue to give your work all you've got, your industry will provide you with anything you want for the rest of your life.

#### 4. SET BIG MONEY GOALS

Imagine turning your annual income into your monthly income.



Can you see it? Does it even seem possible?

Well, it is possible. There are many people doing it, and if one person can do it, so can you.

As Bob often says, "People don't earn \$100,000 a year because they want to earn \$100,000 a year. They do it because they don't know how to earn \$100,000 a month."

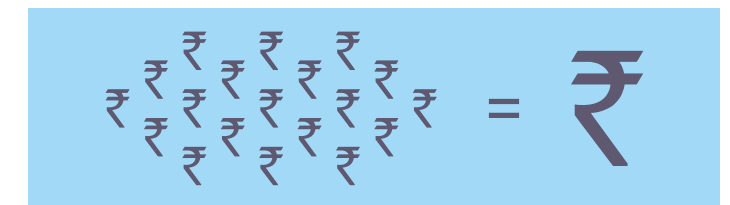
The only difference between people who are earning \$100,000 or more a month and you is your level of awareness.

To raise your level of awareness, start by making a committed decision that you're going to increase your income by 12 times. Write the goal on a goal card (in the present tense) and read it several times every day. As you think about your goal, new ideas for how you can achieve it will start to flow. Some of those ideas will scare you, but don't ignore or reject them. You can't change your results by 12 times by engaging in the same thinking and behaviors you're currently performing.

You'll need to start educating yourself about how you could conceivably achieve your goal. You'll need to become bolder, face your fears and cross boundaries most people never cross. You'll need to create more, regularly step out of your comfort zone, and fail more. And you'll have to do those things over and over until your goal becomes a reality.

#### 5. CREATE MULTIPLE SOURCES OF INCOME

Virtually all wealthy people have Multiple Sources of Income (MSI).



MSI is not another job. It should be viewed as a source of income that is fun, creative, and passive. It should not interfere with, nor cause you to jeopardize your primary source of income.

By developing MSI, you can earn many times what you are presently receiving from your primary source of income; it could be millions of dollars.

While there are countless ways to earn money with MSI, here are a few examples to get your creative juices flowing:

- ✚ Write a book, song, play, or movie script
- ✚ Join a network marketing company – every person in your downline is an MSI!
- ✚ Invent something
- ✚ Intellectual property (give your idea to someone else to take to market and receive a royalty)
- ✚ Real Estate investing

### 6. PLANT MONEY SEEDS

In The Magic of Thinking Big, David Schwartz said, "You can't harvest money unless you plant the seeds that grow money. And the seed of money is service. Put service first, and money takes care of itself."



Dr. Schwartz's words demonstrate his understanding of the Law of Cause and Effect, which is the principal law on which everything in the universe operates. It's another way of saying, "As you sow, so shall you reap."

It might be best to put it this way: your rewards in life will always match your service. That said, each little "extra" you do for others is a money seed.

Because you're planting seeds, you must recognize that whether you're a business owner or an employee, you earn more money after you improve your performance.

When your motivation is to give, you'll start to get insights about how you can improve other people's lives. You'll start contributing more, which will lead to far more opportunities, deeper relationships, and higher monetary rewards.

### 7. WORK WITH A SENSE OF URGENCY

One factor that distinguishes people who make things happen from those who don't is the way they do their work each day.

Most people are always busy, but rarely accomplish much of real value.

However, people who make things happen are focused on a specific target. They know where they're going and what they need to do to get there. They have intensity, a focal point, a purpose. So, they work with a sense of urgency-getting a lot done in a short period of time.

When you work with a sense of urgency, you're thinking 10 times bigger than everyone else. You don't have to work harder—you just work more efficiently through systematic thought instead of random action.

Learn to make your work count by developing a principal purpose and a systematic plan to achieve it. In so doing, you'll emerge from the rabble of "watchers" to that of achiever and leader.



### IT'S NOT ABOUT THE MONEY

The greatest reward of being a millionaire is not the amount of money you earn. It's the kind of person you must become to get there. You must bring more of yourself, more of the potential that is inside you, to the surface.

Money, obviously, is very important. It solves a lot of problems. It allows you to provide service beyond your physical presence.

But money is a means to an end. If you are doing work you love and believe in, money becomes a tool for helping more and more people and making a difference.

Are you willing to develop these seven habits?

Are you ready to think and act bigger so you can earn millions?

We believe in you. We KNOW you can do this.

To more and better,

**Sandy Gallagher**




AIRCONDITIONING SOLUTIONS FOR THE FUTURE

LICENSE TO CHILL

SALES + SERVICE = Future Solutions

GUJARAT'S LARGEST SERVICE NETWORK




**HI WALL UNITS**

**CASSETTE UNITS**

**DUCTABLE UNITS**

**VRV SYSTEMS**

**CHILLERS**

0% FINANCE AVAILABLE

**FUTURE SOLUTIONS**  
DAIKIN SOLUTION PLAZA

Jyoti Plaza, Shyamal Cross Roads,  
Satellite, AHMEDABAD.  
+91 79 26746605 / 06, +91 99789 69242

**GANDHINAGAR SHOWROOM**  
5/GF, Ugati Corporate Park, Opp. Pratik Mall,  
Nr. HDFC Bank, Kudasani. T 079 2360 0789

futuresoluindia@gmail.com  
www.futuresoluindia.com

K3DC +91 98794 78822





LEADER IN POWER PROTECTION

**POWER BACKUP**

**SALES . SERVICE . RENTAL**

Online/Offline UPS • Inverters  
Servo Stabilizers • Industrial Batteries  
Safety Sensors






Authorised Premium Dealer



**POWER PACK SYSTEMS**  
"Hani House", Ground Floor, B/h. Oriental Bank of Commerce,  
Shyamal Cross Roads, Satellite, Ahmedabad-380 015.

E info@powerpacksystems.in, powerpacksystems2611@gmail.com  
M 9824013589 P +91 79 2674 6605 / 06, 26306052

K3DC +91 98794 78822

With levels of pride unmatched by other countries of the world the ancient Indian education was unparalleled in excellencies and discipline. There have been enough events which have built up to the inking of this piece. Based on the traditions and Indian culture the foundation of public schools was laid.

## DISCIPLINE



The growing world wanted admirable people who gathered out from unmatched pupils. Discipline is always required. The growing world needs efficient disciplined people in all sphere. All great men were humble regulated students once. Success which means a great deal never comes easily. Modesty features the main personality trait to be a lined scholar.

Taking the world seriously with no short cuts to hard work leads to a perfect man. Skills when combined with sincerity leads to big results. A calm, serious and sincere student life leads to a lot of learning. A real discipline comes from within. When in crowd we will walk like it but the mirror shows us the truth, as we are the real self when alone.

Students in their teens appreciate less when corrected. As the childish youth makes them to be a proud owner of their thoughts to which they rarely welcome a change.

A regulated obedient young adult will surely listen to what is spoken and then will humbly draw a conclusion. Great men leave behind a trail of glorious deeds. We all follow the ideas as disciplined pupils. No geniuses are born but flowering of the multifaceted personality is a result of a variety of right deeds in a welcoming manner.

The paramount of a neatly regulated student undergoes many ups and downs. At the end the bliss of getting a positive, well to do, uplifted life in the society is received by a sincerely disciplined student.

**MRS. RICHA TIWARI**

Learn from the past, concentrate on today  
and tomorrow will take care of itself.



## PARTICIPATION IN ALMA-FIESTA 20-17/18 ON 10TH FEBRUARY.

The students of Rajasthan Hindi High School participated in Alma-Fiesta, at Chimanbhai Institute of Management under the guidance of principal.

There were 50 students from our school

Entrance test was conducted at 11:00A.M., 15 students were top listed and they were divided into 5 groups with 3 students each. Students had to advertise the given product and describe about its Uniqueness and features. From these 15 students, 8 students were the finalists and from those 8 students 2 were from Rajasthan Hindi High School.



In the last round each student had to give an extempore speech, marks were given and prof. Shah declared the names of 3 students. It is a matter of pride shah Pratik from standard 11th-B, secured 2nd position and cash award of Rs.1500/-.

Jain Himanshi from 11th-C got the consolation prize.

**\*All the Participants were given participation certificates.**



## OPEN A BOOK

Open a book  
And you will find,  
Places and people  
of every kind.

Open a book  
And read one line,  
Knowledge and  
facts are lying behind.

Open a book  
And read the jokes,  
makes you happy,  
never makes you sad.

Open a book  
Because book is  
not only a book.  
It is a small world,  
Which makes you  
pause to understand,  
About different  
moods of life.

**DIVYANI SANTOSH RAVAT  
STD. VIII-B**

Who teaches us rules?  
Who teaches us manners?  
After our parents  
Who are our well-wishers?  
Who are most happy when we score the best?  
Who feels proud  
When we win the race?  
Who ask questions  
When we are wrong?  
Yes, Yes, they are our 'TEACHERS'  
Whom we respect a lot....

**KASHISH P CHOPRA  
STD. VIII-A**

**IF YOU WANT....**

If you want to dress,  
 Dress yourself with sympathy.  
 If you want to kill,  
 Kill your bad manners.  
 If you want to leave,  
 Leave your bad qualities.  
 If you want to love,  
 Love humanity.  
 If you want to see,  
 See yourself as you are.  
 If you want to win,  
 Win your ambition.  
 If you want to speak,  
 Speak the truth.  
 If you want to be good,  
 Be good to others.  
 If you want to praise,  
 Praise nature.  
 If you want to do something good,  
 Do something for the needy.  
 If you want to realize,  
 Realize your mistakes.  
 If you want to respect,  
 Give respect to others.  
 If you want anything,  
 Give something in return.

**HEMA MUDALIAR**  
 Supervisor (Primary Section)  
 Morning Shift



Our own Students making our National Flags... Every year we had been purchasing our National Flags from the market, which were often made in China. These flags used to be of plastic, not properly maintained and unable to dispose with honour. Our students were proud to make it with their own hand. These flags are made of water soluble colour and, therefore, easily disposed with dignity, just dissolving in water.... Jai Hind...



We are proud of Anjali Sanjay Shah (VIII-A), standing extreme right, who had won Bronze Medal in 32nd National ITF TAEKWON-DO Championship.

**PROMOTING TOURISM IN INDIA**



House-wise Competition held on theme 'Promoting Tourism in India'. Students of Std, VI to VIII very enthusiastically came out with their ideas, representing different States, depicting their Culture and promoting important places of tourism.



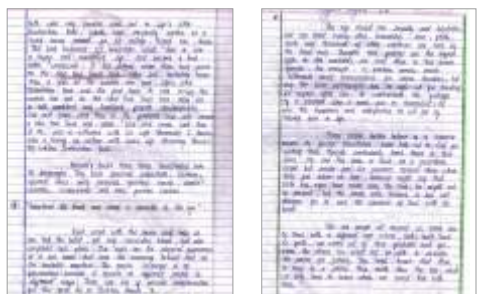
**ENGLISH LITERARY CLUB**

Rajasthan School organized "India's Largest School Spelling Competition" on 9/12/2018. All the students of standard IX and X participated. 'Spell bee' contest is conducted in various schools of our country. This competition brought lot of curiosity and enthusiasm amongst students for proving their efficiency. Such an activity is challenging and fun at the same time making learning enjoyable.

IX and X shared their views on the topic : "India @ 70 is full of opportunities and challenges: What are these and can you contribute to a new India during the next 10 years?" We are very proud that our students bagged Gold, Silver and Bronze medals. Students get good opportunity to have comprehensive thought which in turn supports the classroom performance immensely.

"Tata Essay Writing Competition" was conducted on 12/02/2018 in our school. All the students of standard

**SMT. NEETA SHUKLA**  
 Asst. Teacher



**A BRIEF REPORT ON 2 DAYS EDUCATIONAL TOUR TO BALASINOR DINOSAUR FOSSIL PARK, DEVGADH BARIA AND RATANGADH DEER CENTURY**

An educational tour is an opportunity for a rich experience and a unique way to facilitate learning. In an educational tour, students get a chance to explore much deeper level of knowledge and learning than they ever could in the classroom. Therefore, Rajasthan Hindi High School conducted an educational trip from 26 to 29 December 2017 at balasinor fossil park, devgadth baria and ratanmhal bear sanctuary. Six teachers, 50 students and one tour guide started on 26th December. Our trip departed for balasinor at 6 am in the morning after a short prayer to have a safe and secure trip. After a few hours of travel at 8 am we had a first stopover at a historic temple of bhathi maharaj situated in phagwel. After having a short walkover in the nearby areas students got refreshed with tea coffee and breakfast.



Then we started for our first destination, Balasinor fossil park. Our students were very thrilled to experience the journey towards real life Jurassic park. We reached the fossil park at 11:10 am. At balasinor there are numerous fossilised dinosaur nesting grounds. Paleontologist believe that nearly seven species of dinosaur lived here. Infact researcher have uncovered fossils of about 10,000 dinosaur eggs, making raiyoli village the second largest hatchery in the world. Here we spotted a part of limb embedded in a rock, alleged fossil remains of skin and other bones and egg rings. our students got mesmerized by holding a 65 million old fossil in their hands. Our tour guide informed us that this site was accidentally discovered in 1981, when a group of geologist were conducting a mineral survey for ACC cement company. In 2003 scientists also discovered a new species here which belonged to tyrannosaurus rex family. It was named as rajasaurus namadensis

which means princely reptile from narmada. At 12:20 pm when we left this UNESCO Geo park our students collected the realistic memories of dinosaur and their existence on this earth.



Moving ahead in our journey, we were welcomed at green vatika resort at devgadth baria with refreshment and lunch. After a short rest in the allotted rooms around 4 o'clock we started with trekking on a hill. When we reached the top of the hill our teachers shri lodha sir and ms mona sharma had a small session of meditation to feel the beauty of nature. Students also got the opportunity to do rope repelling.



On 27th December after having tea and breakfast our group started its journey towards 'ratanmahal sloth bear century'. When we reached to our destination we came to know that about 55.65 sq km area of the century is a triangular landmass, which covers reserve forest of 11 villages. These forest actually belonged to ex rulers of devgadth baria state. At this place we may come across a leopard, a palm civet, an Indian civet, four horned antelope, langurs, lotens sunbird, large green barbet, yellow checked bird, crested serpent eagle, grey jungle fowl and pit viper. Our guide told us not to walk on ones or twos in this jungle as it is full of risky and unpredictable beasts. Students were provided interesting information by our biology teacher shri Rana sir about different plants, trees, herbs and its medicinal values. They also understood the process of census survey of plants and animals. few biology students also liked the idea of selecting career in forest department.



After lunch at 3 pm we headed toward the end of our journey. Students along with teachers enjoyed playing games like antakshari, dumb charades and guess who. It really helped to break the ice between teachers and students. Finally we reached the school campus around 8 o'clock in the evening where students were handed over to parents and guardians. All the students left with happy memories. We are very much thankful to our principal, Dr shailaja Nair and school management for organising such a beautiful educational tour.

**-Reported by  
Sharma Mona D  
Asst. Teacher  
Rajasthan School Shahibaug**

**EARTH DAY**

Our Earth is special, there is just one. It gives us water and soil.

People and animals share the land, Let's all lend a helping hand!

You can save water and plant a tree, Make a better home for you and me.

Recycle things, don't throw away. Make every day an Earth Day!

**MOHATA KOMAL  
STD. VIII-A**

अपने स्कूल के कब्स मास्टर तथा स्कूल स्काउट मास्टर का कार्यभार संभालते हुए श्री कमलेश दवे को पूर्व राज्यपाल श्रीमती कमला बेनीवाल के द्वारा मैडल ऑफ़ मेरिट के अवार्ड से सम्मानित किया गया है। अभी वर्तमान में अहमदाबाद शहर में स्काउट प्रतिनिध के पद पर आसीन है। इसके सात सात उन्हें गुजरात के सभी जिलों के स्काउट प्रतिनिध के तौर पर वर्ष 2017 से 2022 तक गुजरात राज्य भारत स्काउट गाइड संघ में नियुक्त किया गया है।

श्री कमलेश दवे पिछले 25 वर्ष से स्काउट-गाइड की प्रवृत्ति के साथ जुड़े हुए हैं।

वर्तमान समय में हमारी ज्ञानोदय प्राथमिक शाला की सुबह की पाली में व्यायाम शिक्षक के रूप में कार्यरत श्री कमलेश दवे का स्कूल की ओर से हार्दिक अभिनन्दन है।



**KNOWLEDGE - AN IMMORTAL TOOL**

People often say the word or rather use the word 'valuable' in a common manner. The word precious defines something or someone whom you value the most. Humans are differed from animals by their valuable gifts like science and technology. All possess their own valuables in smaller or greater extent. For a child, the parents are most valuable ones.

I too have admirable commodities in my life. My family, school, teachers and of course friends are gems and treasures of my life. But as said, these are not everlasting. So, according to me, knowledge is the thing which I admire the most in my life.

Knowledge is immortal and it binds us all in one world. Dislike other valuables, knowledge is increased on giving. A child, when gains knowledge, reaches to infinity and sets paths for other people.

As Shree Swami Vivekanand said, "Thinking leads to reasoning, reasoning leads to creativity, creativity gives you knowledge and knowledge makes you great." Even if a man is dead, he would be recalled for his knowledge and his applications. This makes the man remain on earth, in people's hearts for eternity rather for living shortly and doing nothing productive.



Knowledge of great people have led the world to reach the peak of progress. Scientists, Biologists, Athletes, Artists by their knowledge in some way or the other have made the world a better place to live.

It is well said that "One book, one pen, one teacher and one student changes the world". So, according to me, knowledge is the most precious thing in my life, and I can't imagine my life without it.

**VISHRUT PANDYA**  
STD. XI- A

**THE GIFT UNMATCHED**

One day I was travelling by a train from Ahmedabad to Mumbai. I was seating and suddenly i saw a boy held by women. They both were seated on the racks. That small boy was very attractive and cute. After sometimes two men came and started conversations with that lady. I couldn't hear their conversations but their conversation was very rude. After few minutes they started fighting and the goons took that kid from the woman and started insisting her for money. And



then one man started beating her and suddenly someone called the police and police came and finally the matter was solved. By looking that I realized that how valuable the child was for her mother that she fought alone with those two goons till she could. Similarly my parents also did many things for me that i also don't care till now. I am not so attractive or cute but my parents always encouraged me in all my works. My parents cared for me for no reasons and yet all times. But sometimes I hurt them by my harsh words. Now I realized that how precious my parents are for me.

The day of realization came at last and i was not suffering with guilt as to why I did' not pay any attention to the sacrifices of my loved ones i.e. my parents.

**MANASVI PATEL**

**VALUE THE VALUABLE**

First, we need to understand what the meaning of precious is. What is precious? It's the most important thing in one's life or it is loved severely by one. Life is an uncountable journey of paths with obstacles. But in between these, the things that make a person feel happy and satisfied with life are person's precious things. Well, different people have different things or people in their lives that they consider as precious.

According to me, the most valuable things in my life are my sense organs i.e. eyes, ears, nose, tongue and skin. Well, in this perfect world, the people having a lack of any of these are considered as imperfects. How uncomfortable a person feels if he is not able to see or hear or taste, that has no limits. We should understand how blessed we are by having all the five vitals of our life.

I would surely give an example. I'm a member of an NGO that does social services like distributing goods to the needed people. But yesterday, when we went to a disability home, what we saw changed our view of

life. How those people lived the best way they can even if they are deaf, dumb or blind. The scenario was so heart full that took away our wrong mentality for disabled people. Even if they are disabled, they know how to live a better life and live happy whatever the circumstances. They taught us what we never cared about how gifted we are and what we needed most. That day, we learnt to live life with satisfaction and care about our body. That day changed our view of life. If those people can live happily and satisfied, why can't we? That day was an unforgettable lesson. Don't feel that you have very less, feel what you have and what life is without these. That day was the most precious day of my life. Feel blessed and don't expect much from life because you have got the best gifts from god.

**UJAS DHAMI**  
STD. XI - Maths Group

**SINCERITY PAYS IN THE LONG RUN**

One fine day, I was walking down the road. Suddenly, I was shattered with a brim on my body. An old lady was trying to cross the road but, nobody helped her. Suddenly, a car chit the old lady and some people took that old lady to the hospital. I remembered my mother who was bedridden. There was no one to take care of her. I realized the meaning of life that day. The valuable things I kept in the cupboard were of no importance. Life is something that won't come again. I realized the value of time. Time is the most precious thing in my life. What would happen if the bed would be empty? Time won't come again. The thing that is to be done in time should be done at that time only. The people who have become successful or the people who have seen success valued time. They were the most sincere people in their childhood days. They do not do different things but, the do the same things differently. They took things in a different manner. They took things positively. They were not born with different minds. They were born with the same minds. God has given everyone the same mind but, they valued time and they took things positively. Similarly, my parents, my teachers and my family have some

expectations from me. They expect from me that I should become the successful person in my life. But, the expectations won't end. Now, I have some expectations from me. After some years, my family would be having some expectations from me. The expectations won't have any end. It would go on. So, to fulfil their expectations, I need to work hard and the most important I need to value time and take it sincerely. So, the most precious thing in my life is time. There is a saying:

"The bad news is time flies but, the good news is that you are the pilot."

The most important thing that people need to learn in this world is that how to utilize their time in a productive manner. Everyone has a lot of time but, they don't know how to utilize it. At last, I would conclude that with time sincerity is also required.

**PRERNA GHIYA**  
STD. XI - B



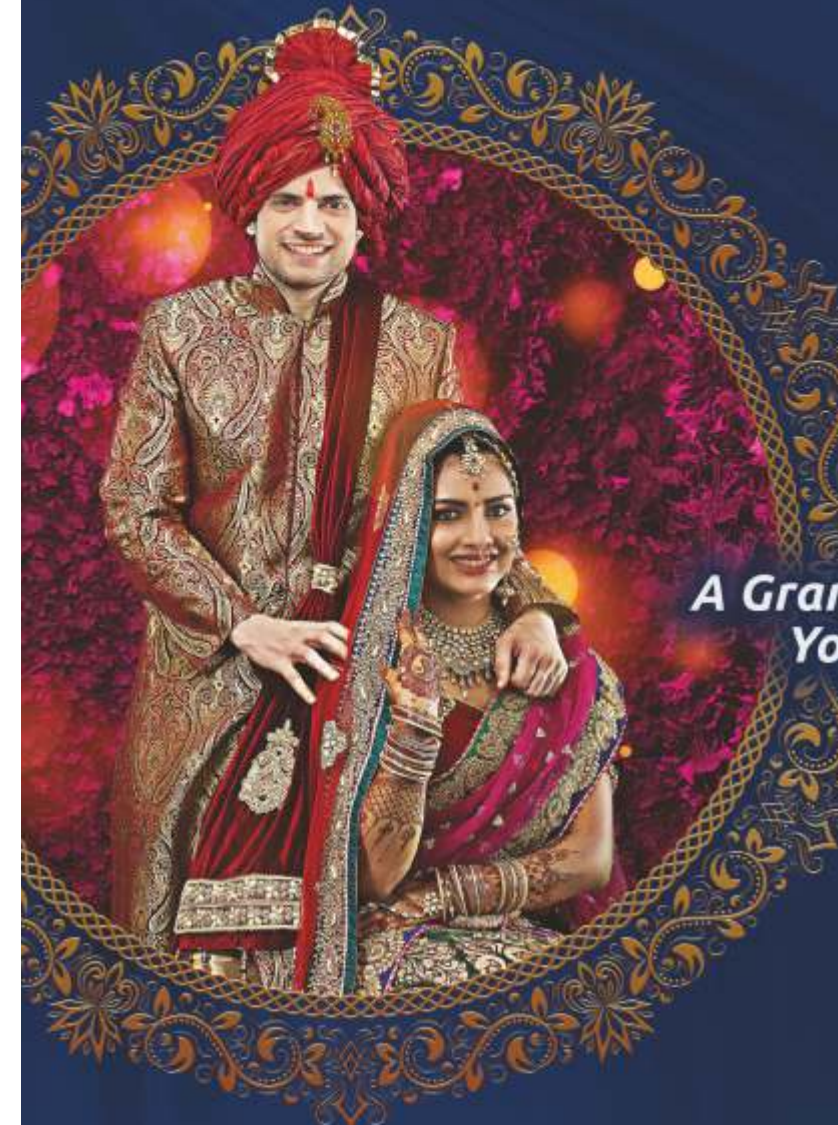
## PICNIC CAMP DILLY

Picnic to Camp Dilly.... A retreat from the chaos of city and daily chorus of studies, an escape to feel the nature and enjoy the thrill of adventure. Students of VI to VIII enjoyed the resort situated about 100 kms from Ahmedabad at Borsad.



www.clubo7.com

**THE FORUM**  
Celebrations & Conventions



**A Grand Location for  
Your Grandest Occasion**

- 40000 sq.ft. Banquet Hall, accommodating upto 3000 Guests
- A Wide Array of 5 Star Standard Banquet Halls
- A World Class Sound Proof Auditorium to Accommodate 700 Guests
- Lush Green Lawn for Celebrations, accommodating upto 3000 Guests
- Connected to a Luxurious 160 All-Suite Rooms Hotel



An initiative by  
**CLUB O7**  
CLUB & CONVENTION

Club O7 Road, Before Applewoods, Bopal-Sheila.  
**02717 245707/08, 93750 75109**  
info@clubo7.com

www.theSALT.co.in

**पुनर्निर्माण**

चलो चले एक कदम बढ़ाएँ  
मिलकर हाथ बटाए  
विद्यालय का पुनर्सृजन कर  
गौरव और बढ़ाएँ ॥

कभी कभी मैं सोच रही थी  
मेरा कब होगा नव निर्माण  
पूरी दुनिया बदल रही थी  
मैं पुराने चोंगे में लदी पड़ी थी ॥

सहसा एक विचार आया  
और मैंने सपनों में खोते पाया  
नया सा मेरा रूप देखा  
आठ मंज़िल में मैंने पाया ॥

ईंटों ने ईंटों से कहा, नया रूप ह लेना,  
न थकना है न रुकना है

मन में विश्वास भरना है  
रंगो का साहस भरना है ॥

गत जीवन के सुख -दुख झेले,  
अब पुनर्निर्माण की चाह लेके  
मैं जला हृदय में अग्नि ज्वला  
करने चली आहवान हूँ ॥

बच्चों की खातिर मैंने  
पुनर्जन्म की ठानी है |  
नए -जोश नए विचार,  
अपनाने की ठानी है ॥

**RAJANI CHAUHAN**  
Class Teacher, III-A

**PRL SCHOLARSHIP EXAM ON 7TH JANUARY, 2018**

Rajasthan School is a school with a difference. It has created history by giving a number of Science students pertaining to great heights. PRL, the Science uplifting organization has held full trust on our school. The PRL conducted 'ARUNLAL SCHOLARSHIP' exam on 7th January, 2018 of which Rajasthan English Hr. Sec. School was made a centre.

This exam is taken by number of students as it promotes learning of Science by providing Scholarship for higher studies in Science to meritorious students.

Thus the number of students keeps on increasing to take this exam every year and hence the efforts to take students on the path of Science have been continuously and effort fully taken through this exam.

**THE LECTURE OF SCIENCE BY REPUTED SCIENTISTS OF PRL ON 9TH FEBRUARY, 2018**

Rajasthan English Higher Secondary school once again witnessed an unmatched performance of beautiful and magnificent Science lecture on day to day weather of space. On 9th February, 2018 the two young Scientists from PRL named Dr. S. Raghuram & Dr. Dipti Ranjan made an enchanting innovative lecture on Space and it's relation with Earth. Earth as a planet is a boon and how the flares of the Sun are covered up by the Earth and other important things about Space and Planets were narrated. The way our artificial Satellites work and how the working of G.P.S. is also linked with Space weather was made aware by Dr. Dipti Ranjan.

A unique feature of Earth to hold such temperatures, which make water to remain a liquid and thus the existence of varied forms of species possible.

How the weather of Earth also gets affected by any disturbance caused in Space was also an eye catching topic well dealt by the excellent Scientists from PRL.

PRL has given an ever helping hand to motivate students towards Science and has paved a way for budding Scientists studying in Rajasthan Eng. Hr. Sec. School.

The need of discipline, punctuality, regular attendance also effect the major understanding of Science was also very interestingly conveyed by Dr. S. Raghuram. The simple language made the audience spellbound till the lecture came to an end. It was attended by Principal of Rajasthan Hindi High School Dr. Shailaja Nair, Principal of Self-financed Mr. Ravindrasinh Kachchhava, staff and students of both the Sections.

As the lecture ended a feeling of satisfaction and twinkling eyes of the students could well describe their dreams to be scientist in future.



**SCHOOL LIFE**

Most irritating moment...  
Morning alarm.

Most difficult task...  
To find socks.

Most dreadful journey...  
Way to our class.

Most typical work...  
To follow rules and regulations.

Most funny rehearsal...  
Before cultural program.

Most lovely time...  
Meeting friends.

Most tragic moment...  
Surprise test  
in the 1st period.

Most fearful minute...  
When declaring result.

Most wonderful day...  
Picnic day.

Most cheerful news...  
Teacher is absent.

Most joyful life...  
School life,  
that I can never forget.

**SHIVANSHI P GUPTA**  
STD. VIII-A

**THE GREATEST BOON**

My life was full of joy before I came across the news that my friend's father left the world with a major heart attack in hospital during an operation. I was shocked hearing this news. I was totally blank how to react at that point of time. Never even in my wildest dreams I had thought of such a situation which had been faced by her family at that moment. I went to her place to help her to overcome that state of mind as soon as possible. After watching the pathetic condition of her family one question arose in my mind 'What if I would be at her place??'



I had never appreciated my parents for what they had done, thinking that it was their duty & they will be with me for rest of my life. Never once I had thought what if they left me alone? Till that day I was just used to be an ever demanding person. But never appreciated for what they had given me without asking. That day I understood the real value of my parents in my life. The first thing which I did after returning was apologizing for my bad behaviour. I hugged them and appreciated for all they had done for me at the cost of their desire. Appreciated for fulfilling my needs before theirs. I can never thank my parents for what they had done for me. I love my parents & want them to be with me forever. I wish if I could live all those moments again which I had wasted fighting with them on useless topics. From that day I understood the real meaning of the word precious. That incident totally changed my life. My parents are the greatest boon for me on earth was the realization that came to me after a long wait....

**MUSKAN P PADHIYAR**  
STD. XI - A - Bio Group

**AS A PART OF CUBS & BULBUL ACTIVITIES  
OUR SCOUT MASTER MR. KAMLESH DAVE EDUCATES  
STUDENTS ON ROAD SAFETY.**



## VISIT TO 25 N.C.S.C.17 AT SCIENCE CITY AHMEDABAD

With a view to encourage, popularize and inculcate scientific temper the students of R.H.H.S. were taken to 25th N.C.S.C. - 2017 at science city on 29th Dec 2017. There were 48 students from std. IXth A, IXth B, IXth C and IXth D accompanied by three teachers.

N.C.S.C. is a unique, massive and prestigious flagship program of the government of India which motivates children and takes up scientific research on local specific issues. It's an activity towards promoting congenial team work, correlating science with everyday life situations.

The theme of N.C.S.C. for 2016-2017 was "Science, Technology and Innovation for Sustainable Development".

The N.C.S.C. has attracted entry of 900 young scientists representing 30 different - states as well as from 6 Asian countries. The exhibits to name a few, included research projects on

- ☛ Solar park
- ☛ Features & Benefits of LED Lighting
- ☛ Activity for energy conservation
- ☛ Strengthening pottery sector through innovation etc.

Students of our school also prepare their miniature research module every year with the guidance of Teachers.

## प्रेरणा के प्रसंग

साल 2016 में कुल मिलाकर 10576 विद्यार्थियों ने IIT में दाखला लेने के लिये अपनी कसौटी दी थी। उनमें से IIT में दाखला पाने वाले 5539 विद्यार्थी (यानी की 52.4%) ऐसे थे जिन्होंने IIT के लिये अपनी पूरी पढ़ाई घर पर अपने आप ही की थी और उसके लिये कोई बहार के ट्यूशन का सहारा नहीं लिया था।



The organizers have also tried to infuse industry projects as exhibits so that the participating children should be encouraged to think along the needs of the industry.

N.C.S.C. has been an ideal and innovative programme for young scientists of India and beyond to inspire, empower and expand their mind's horizon to the world.

With an endeavour to promote scientific temperament among budding young scientists, The exhibition was one of its kind.

**MRS. RENU MALHOTRA**  
Asst. Teacher  
R.H.H.S

## मन के साहसी

साहस वह विलक्षण गुण है। जो मनुष्य को चुनौतियों का सामना करने की शक्ति देता है और संघ से जूझने की क्षमता प्रदान करता है। वीरोचित भावनाओं को उभारकर आत्मरक्षा और दूसरों की रक्षा करने को तत्पर हैं तथा इन सबके परे व्यक्ति को आत्मिक रूप से सबल कर सके। वस्तुतः साहस वह उदात्त भावना है। जो मनुष्य को उस उचाई तक पहुंचती है, जहाँ बाह्य शक्तियों कि अपेक्षा आंतरिक शक्तियों का अधिक महत्व है। एस मन के साहस से मानसिक शक्ति इतनी परिपुष्ट हो जाती है, कि मनुष्य विपरीत परिस्थितियों में लगातार संघर्ष करने कि चुनौती महसूस करता है और हताश हुए बिना हार को जीत में बदलने की क्षमता अर्जित करता है। युद्ध में दुश्मन की सेना का निडरता से सामना करने और दुश्मन को चारों खाने चित्त करने से भी अधिक वः व्यक्ति साहसी है जो अपने संकल्प कि शक्ति से असंभव को भी संभव बना देता है।

**PRAJAPTI MADHVI L.**  
STD. VI - H

## बचपन को बचपन रहने दो

है अनमोल धरोहर जीवन की  
बचपन को बचपन रहने दो  
बच्चे तो कोमल कली हैं, संस्कारों से सिंचन करो,  
शुद्ध खान-पान से उनमें, शक्ति का संचार करो।  
समता, ममता और नम्रता के, गुणों से जीवन को भरो,  
सही गलत की समझ देकर, बुरी संगत से दूर रखो ॥  
है अनमोल धरोहर जीवन की .....  
बच्चे तो कोरे कागज हैं, समय निकालो कलम उठा लो,  
संस्कारों की स्याही से, अच्छी प्यारी बातें लिख डालो।  
वर्ना टीवी चैनल है, तैयार लुटाने खजाना अपार,  
बच्चे बेचारे क्या जाने, क्या अच्छा, क्या बेकार ॥  
है अनमोल धरोहर जीवन की .....  
आजादी भी बच्चों को, कभी दूर कहीं ले जाती,  
कड़काई भी बच्चों को, नजदीक नहीं ला पाती।  
बच्चे के संग बन बच्चे, परिवार में खुशियाँ आती,  
कभी नरमी तो कभी गरमी ही, बच्चों से प्यार बढ़ाती ॥  
है अनमोल धरोहर जीवन की .....



हो सके तो भौतिक सुखों से, बच्चों को थोड़ा दूर रखो,  
टी.वी., गाड़ी, मोबाइल को, अपने तक सीमित रखो।  
महापुरुषों के जीवन दर्शन, बच्चों संग खुद भी सीखो,  
महान बनेगा बच्चा अपना, शौक से नितदिन सपने देखो ॥

है अनमोल धरोहर जीवन की .....  
अपना आचरण अच्छा होगा, मीठी होगी अपनी भाषा,  
दूर रहो तुम झूठ-व्यसन से, अपनाओ जीवन में अहिंसा।  
ओरों का सम्मान करो तुम, रखो ज्ञान की अभिलाषा,  
फिर देखो बच्चों क कमाल, पूरी करेंगे आपकी आशा ॥  
है अनमोल धरोहर जीवन की .....

केवल कमाना मौज-मस्ती ही, जीवन का सार नहीं,  
क्लब, पार्टियाँ और मित्र ही, प्रगति का आधार नहीं।  
माता-पिता और बच्चों के, साथ बिना संसार नहीं,  
चाहे दुनिया सारी घूमो, अपनों सा कहीं प्यार नहीं ॥  
है अनमोल धरोहर जीवन की .....

यदि न होगा बचपन प्यारा, फिर पछताओगे जीवनभर,  
बुढ़ापा कोसेगा बचपन को, जवानी रोएगी बचपन पर।  
कहे मेरा मन समय रहते ही, बच्चों का बचपन लौटा दो,  
है अनमोल धरोहर जीवन की, बचपन को बचपन रहने दो ॥

**SAMBHAV R JAIN**  
STD. VII - A

## स्त्री - प्रकृति का वरदान



आज के आधुनिक युग में जहाँ स्त्रियाँ पुरुषों की हर क्षेत्र में बराबरी कर रही हैं वही गृहणियों की भूमिका को भी नकारा नहीं जा सकता। घर की चार दिवारी में रहने वाली महिलाओं ने समाज को न जाने कितने डाक्टर, इंजीनियर, वकील और वैज्ञानिक दिए हैं। स्त्रियाँ घर और बाहर दोनों स्थान पर कार्य करके अपनी अलग पहचान बना चुकी हैं घर और बाहर दोनों स्थान पर उसकी अलग-अलग भूमिका होती है। अपनी शिक्षा और कार्यकुशलता का उचित प्रदर्शन करते हुए दोनों ही भूमिका में सफल रही हैं।

आदिकाल से ये कहावत प्रचलित है कि "एक बच्चे का प्रथम स्कूल घर और प्रथम शिक्षक माँ है"। बच्चे का प्रथम शिक्षक द्वारा दी गई शिक्षा उसके जीवन को सजाने-संवारने और उसे एक अच्छा नागरिक बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। ये आवश्यक नहीं है कि शिक्षित स्त्रियाँ कामकाजी ही हों। यदि वो कामकाजी हैं तब तो भारत के विकास के तब भी उनका देश के उन्नति-प्रगति में योगदान कम नहीं है।

गृहणियाँ अपने बच्चे को पढ़ा-लिखा कर उनकी परवरिश इस प्रकार करती हैं कि संख्या कम नहीं है। ये बालिकाएँ समय के साथ स्त्री रूप धारण करेंगी। इसलिए आवश्यक है कि इनकी शिक्षा दीक्षा की उचित व्यवस्था हो।

एक जमाने में सेना कि तीनों टुकड़ी पर मात्र पुरुषों का ही अधिकार था। समय बदला, सोच बदली। स्त्रियों ने अपनी शारीरिक और मानसिक शक्ति की परिपक्वता दिखाई और थलसेना, वायुसेना और नौ सेना में अपना स्थान बना लिया। बंदूक चलाना, हवाई जहाज उड़ाना आज की बालिकाओं के लिए उतना ही आसान हो गया है, जितना कि सरोई घर में बर्तनों का उपयोग करना था। आज कोई क्षेत्र स्त्रियों से अछुता नहीं रहा। चाहे खले जगत हो, चाहे राजनिति। भारत की प्रधानमंत्री और राष्ट्रपति महिला रह चुकी हैं। आज विदेश मंत्रालय और सुरक्षा व्यवस्था महिला ही संसंभाल रही हैं।

महिलाओं के कारण भारत विश्व में अपनी अलग पहचान रखता है ये बात मानुषी चिल्लर ने फिर से याद करवा दिया। स्त्री और पुरुष समाज के दो स्तंभ हैं। इन मजबूत स्तंभों के कारण गरीब भारत विकासशील बना और भविष्य में विकसित बन जाएगा।

**गौतम चित्रलेखा सिंह**  
शिक्षिका

GYANODAYA ENG PRIMARY SCHOOLN (NOON) - 1STD AND 2STD CHILDREN CULTURE PROGRAMME



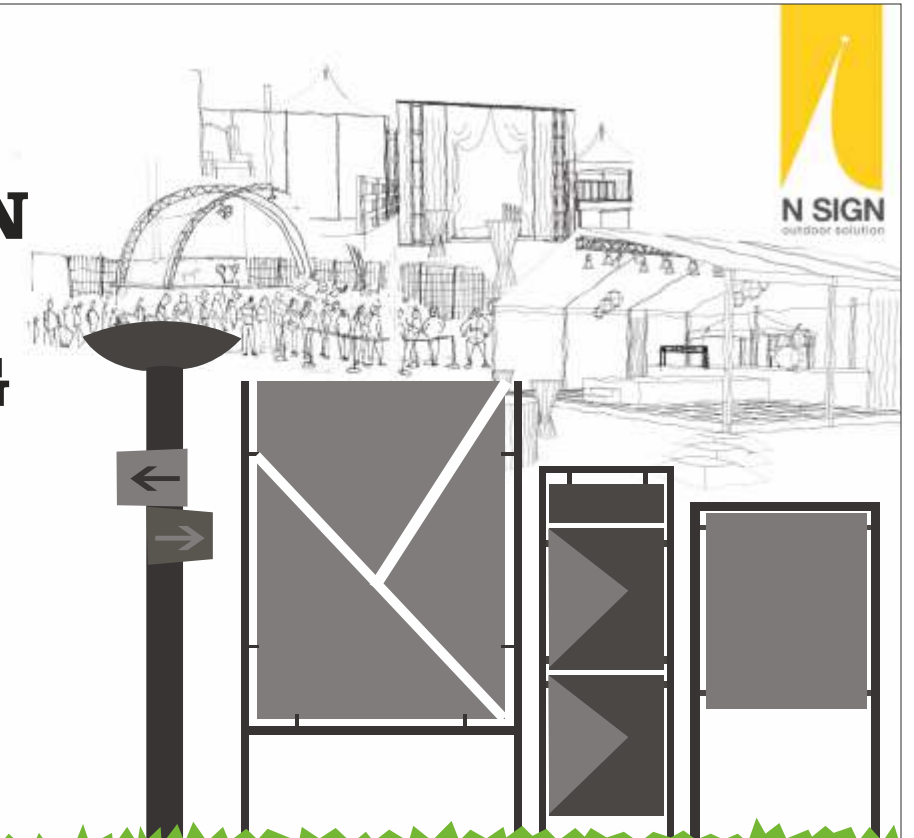
GYANODAY ENG PRIMARY SCHOOL (NOON) - CHRISTMAS CELEBRATION BY K.G. SECTION



+ 91 98796 48884

**ONE STOP  
DESTINATION  
FOR ALL  
FABRICATING  
SOLUTIONS**

SIGNAGES  
STALL FABRICATION  
EVENT BRANDING  
IRON FABRICATION



N SIGN  
outdoor solution

A- 410/411, Shilp Aaron, Sindhubhavan Road, Bodakdev, Ahmedabad, Gujarat - 380054.

**emroot**  
A Gift Studio | Curate Trunk Shows

*Gifts tell a story*

At Emroot, we believe in creating gifts & hampers that narrates story of a relation between the gift giver & receiver..

*Create timeless and elegant gifts with us!*

M: +91 95588 10745 | follow us on: [f](#) [i](#) [E](#): [kinjal@emroot.in](mailto:kinjal@emroot.in)

JODHPURI CHESS-SET

CORPORATE GIFTS

HAMPERS FOR OCCASIONS

PERSONALISED HAMPERS

TOKEN GIFTING

GYANODAYA ENG PRIMARY SCHOOL(NOON) - CRAFT COMPETITION



GYANODAY ENG PRI SCHOOL(NOON) - DRAWING COMPETITION



GYANODAYA PRIMARY SCHOOL(NOON) - RANKER



GYANODAYA ENG SCHOOL (NOON) - JANMASHTMI CELEBRATION



GYANODAY ENG PRIMARY SCHOOL (NOON) - SPORTS DAY



GYANODAYA ENG PRIMARY SCHOOL (NOON) - TEACHER'S DAY CELEBRATION



WELCOME TO THE STUDENTS GIVING ROSES AND CHOCOLATES



ICONIC FASHION/ f t i

SPRING SUMMER '18

WITH LOVE FROM

**iconic**

APPARELS • WATCHES  
SUNGLASSES • FRAGRANCES  
ACCESSORIES

TOMMY HILFIGER Calvin Klein ANTONY MORATO NAUTICA SELECTED H O M M E Bruun & Stengade TOM TAILOR

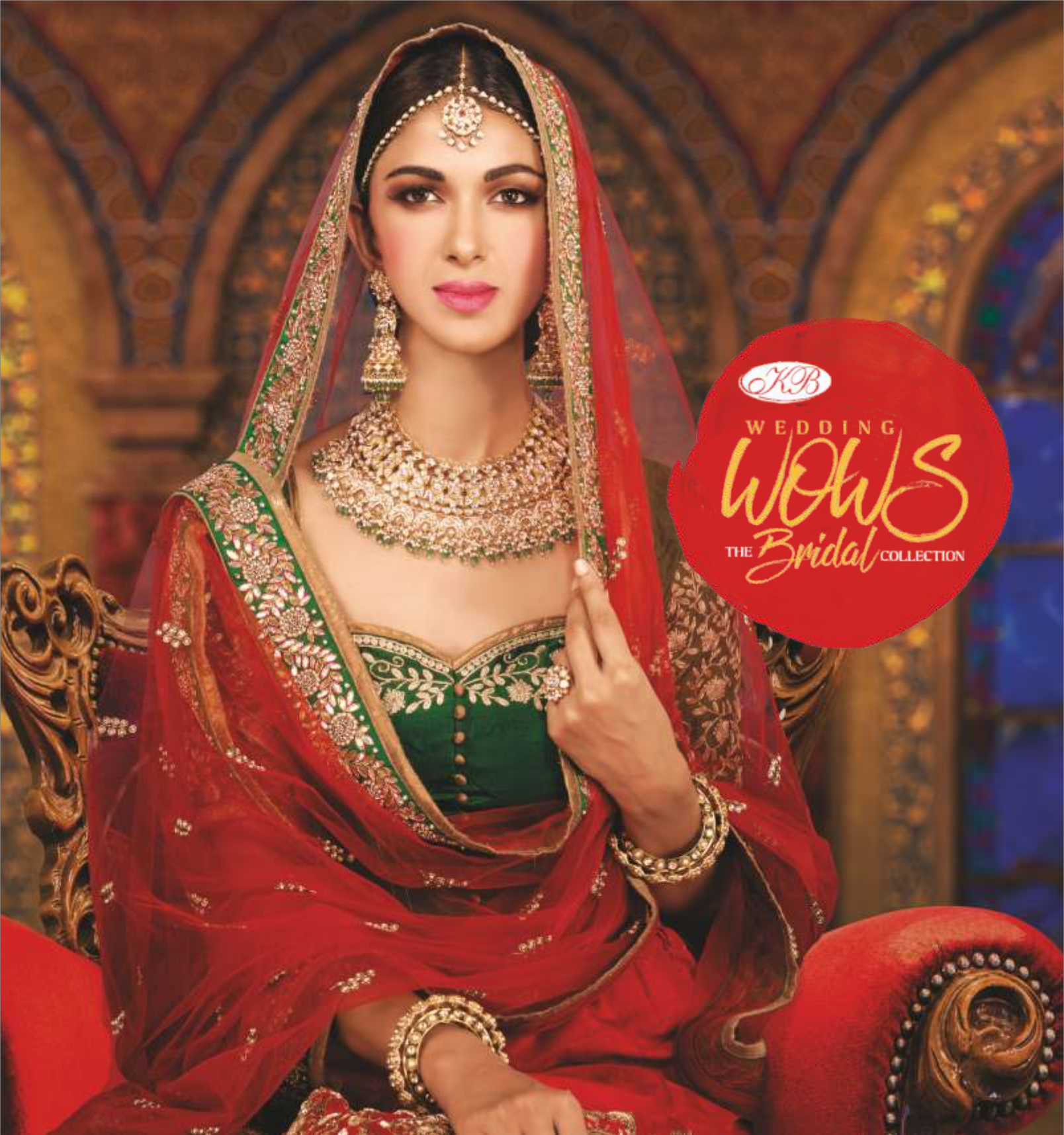
LINDBERGH jnjoy AÉROPOSTALE HARSAM PREMIUM JACK & JONES ONLY & SONS U.S. POLO ASSN.

TRUE BLUE ELLE LOOM TREE VERO MODA ONLY COVERSTORY [JUNAROSE]

FOREVER NEW THE CHILDREN'S PLACE chicco Blue Giraffe KIDS UNITED COLORS OF BENETTON. & many more international brands

VIVAN SQUARE | JODHPUR CROSS ROAD  
iconickids AHMEDABAD ONE MALL, SECOND FLOOR, VASTRAPUR

DELHI • GURGAON • HYDERABAD • AHMEDABAD • JAIPUR • BHOPAL • JODHPUR • UDAIPUR • GANGANAGAR • BHIWADI



# K B ZAVERI

THE HERITAGE OF TIMELESS BEAUTY